हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 244, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 7 मार्च, 2024 दिन गुरुवार गाजीपुर/वाराणसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कई मेट्रो परियोजनाओं का किया लोकार्पण

देश की पहली अंडरवाटर मेट्रो का भी किया उद्घाटन

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को देश में कई मेट्रो परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इसमें कोलकाता में पानी के अंदर देश की पहली मेट्रो लाइन भी शामिल है। इस दौरान कोलकाता मेट्रो के ईस्ट वेस्ट कॉरिडोर में 4,965 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित हावड़ा मैदान-एस्प्लेनेड खंड का उद्घाटन भी किया गया। यह किसी भी बड़ी नदी के नीचे देश की पहली परिवहन सुरंग है। इस खंड में बना हावड़ा मेट्रो स्टेशन देश का सबसे गहराई में स्थित स्टेशन भी होगा। उद्घाटन कार्यक्रम के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने स्कूल के छात्रों के साथ एस्प्लेनेड से हावड़ा मैदान तक मेट्रो की यात्रा की।

मेट्रो सेवाओं को दिखाई हरी झंडी– अधिकारियों ने बताया कि सुरंग का नदी के भीतर का हिस्सा 520 मीटर लंबा है और ट्रेन को इसे पार करने में लगभग 45 सेकंड का वक्त लगेगा। एस्प्लेनेड मेट्रो स्टेशन पर समारोह स्थल से प्रधानमंत्री ने देश के सबसे पुराने मेट्रो नेटवर्क कोलकाता मेट्रो के न्यू गरिया-एयरपोर्ट लाइन के कवि सुभाष-हेमंत मुखोपाध्याय खंड और जोका-एस्प्लेनेड लाइन के तारातला-माजेरहाट खंड का भी उद्घाटन किया। माजेरहाट मेट्रो स्टेशन रेलवे लाइन, प्लेटफार्म और एक नहर के ऊपर बना अलग तरह का स्टेशन है।

पुणे मेट्रो के विस्तार की आधारशिला भी रखी– प्रधानमंत्री ने दिल्ली-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर के दुहाई-मोदीनगर (उत्तर) खंड, पुणे मेट्रो के रूबी हॉल क्लिनिक-रामवाड़ी खंड, कोच्चि मेट्रो के एसएन जंक्शन से त्रिपुनिथुरा खंड और आगरा मेट्रो के ताज ईस्ट गेट-मनकामेश्वर खंड का भी उद्घाटन किया। उन्होंने पिंपरी चिंचवड़ और निगड़ी के बीच पुणे मेट्रो के विस्तार की आधारशिला भी रखी।

मेट्रो कर्मचारियों के साथ भी लंबी बातचीत की– पीएम मोदी ने मेट्रो कर्मचारियों के साथ भी लंबी बातचीत की। इस दौरान बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार, बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता और भाजपा विधायक सुवेंदु अधिकारी भी उनके साथ ट्रेन में मौजूद थे।

हावड़ा मैदान और एस्प्लेनेड के बीच सुरंग की कुल लंबाई 4.8 किलोमीटर है।

इसमें 1.2 किमी सुरंग हुगली नदी में 30 मीटर नीचे है, जो इसे किसी भी बड़ी नदी के नीचे देश की पहली परिवहन सुरंग बनाती है।

इसके अलावा हुगली नदी के नीचे स्थापित हावड़ा मेट्रो स्टेशन, देश का सबसे गहराई में स्थित स्टेशन भी होगा।

यह सुरंग ईस्ट-वेस्ट मेट्रो कॉरिडोर परियोजना का एक हिस्सा है।

कॉरिडोर में वर्तमान में साल्ट लेक सेक्टर पांच से सियालदह तक का हिस्सा व्यावसायिक रूप से परिचालन में है।

कॉरिडोर की पहचान 1971 में की गई थी– मेट्रो रेल के मुताबिक, इस कॉरिडोर की पहचान 1971 में शहर के मास्टर प्लान में की गई थी। मेट्रो रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कौशिक मित्रा ने बताया कि हावड़ा और कोलकाता पश्चिम बंगाल के दो सदियों पुराने ऐतिहासिक शहर हैं और यह सुरंग हुगली नदी के नीचे से इन दोनों शहरों को जोड़ेगी।

कटिहार में अपराधियों ने विधायक के भतीजे को गोलियों से भूना, मौत

कटिहार। बिहार के कटिहार से बड़ी खबर सामने आई है, जहां हथियारबंद अपराधियों ने टछअ कविता देवी के भतीजे को गोलियों से भून डाला। बताया जा रहा है कि मेडिकल कॉलेज की दहलीज पर पहुंचते ही पीड़ित ने दम तोड़ दिया। मृतक नीरज पासवान, मेयर शिवा पासवान मर्डर केस में नामजद आरोपी था और हाल ही में जमानत पर जेल से बाहर आया था। दरअसल, पूरी घटना नगर थाना क्षेत्र के संग्राम चौक ड्राइवर टोला इलाके की है। जहां हथियारबंद अपराधियों ने विधायक कविता देवी के भतीजे नीरज पासवान को गोली मार दी। आनन-फानन में पीड़ित को इलाज के कटिहार मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं, कटिहार पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार ने बताया कि पुलिस ने इस मामले में स्थानीय लोगों की मदद से वारदात को अंजाम देकर भाग रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके पास से चार असलहे को भी बरामद किया गया है। फिलहाल, गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ जारी हैं।

500 बेड के अस्पताल का सीएम योगी ने किया शुभारंभ

इटावा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इटावा में मेडिकल के छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार हो रहा है। डबल इंजन की सरकार आम आदमी का ध्यान रख रही है। पांच सौ बेड सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के उद्घाटन की बधाई दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा- एक अस्पताल कैसे ग्रामीण अर्थ व्यवस्था को बदल सकता है। यह हम देख सकते हैं। आज 45 मेडिकल कॉलेज यूपी में बन चुके हैं, 14 जो बचे हैं उन पर तेजी से काम चल रहा है। यह प्रधानमंत्री का विजन है। सीएम योगी ने आगे अपने संबोधन में सपा संरक्षक व उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. मुलायम सिंह यादव को बधाई दी की उन्होंने अपने गांव में अस्पताल बना दिया। सीएम योगी ने बिना नाम लिए इशारों में सपा मुखिया अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा- पहले लोग सैफई के नाम से डरते थे, अब बदलाव आया है। लोग काम कर रहे हैं। यहां तेजी से काम किया गया है सरकार के प्रयास हुए हैं। सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक अच्छा काम कर रहे हैं। सबका साथ सबका विकास हो रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा- यूपी में दस करोड़ आयुष्मान कार्ड बनने हैं। इलाज के लिए की सरकार के पास कोई पैसे की कमी नहीं है। जिन्हें भी जरूरत होगी हम मदद करेंगे। एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस हर जनपद को दी गई है। 108 के रिस्पांस टाइम को कम किया जा रहा है। हर जिले में फ्री डाईलसिस की सुविधा दी गई है। सरकार जो सुविधा दे रही है उसका लाभ मरीज के साथ लोगों को मिल रहा है।

हाईकोर्ट से भाजपा के सात विधायकों को राहत, अदालत ने निलंबन किया रद्द

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली विधानसभा से सात भाजपा विधायकों के निलंबन को रद्द कर दिया है। उन्होंने अपने निलंबन को उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। इन विधायकों को 15 फरवरी को दिल्ली विधानसभा के बजट सत्र में उपराज्यपाल विनय सक्सेना के संबोधन के दौरान हुए उपद्रव को लेकर निलंबित कर दिया गया था। हाईकोर्ट ने विधायकों की याचिका पर 27 फरवरी को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। सात भाजपा विधायकों- मोहन सिंह बिष्ट, अजय महावर, ओ.पी. शर्मा, अभय वर्मा, अनिल वाजपेई, जीतेंद्र महाजन और विजेंदर गुप्ता ने विधानसभा के शेष बजट सत्र के लिए अपने निलंबन को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय का रुख किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी सदस्यों को चर्चा में भाग लेने से अक्षम करने के लिए दुर्भावनापूर्ण ढंग से योजना बनाई गई। 15 फरवरी को आप सरकार की उपलब्धियों को उजागर करने वाले उपराज्यपाल के अभिभाषण को कथित रूप से बाधित करने के लिए सदस्यों को निलंबित कर दिया गया था। विधायकों ने अपने निरंतर निलंबन के बारे में चिंता व्यक्त की और संभावित विवादास्पद माहौल का संकेत देने वाली हालिया राजनीतिक टिप्पणियों और संदेशों का विरोध किया। विधायकों के वरिष्ठ वकील जयंत मेहता ने 19 फरवरी को दलील दी थी कि निलंबन असंवैधानिक और नियमों के विपरीत है, जिससे कार्यवाही में भाग लेने का उनका अधिकार प्रभावित होता है।

अपहरण मामले में धनंजय सिंह को सात साल की सजा, 50 हजार जुर्माना, नहीं लड़ पाएंगे लोकसभा चुनाव

जौनपुर। नमामि गंगे के प्रोजेक्ट मैनेजर अभिनव सिंघल का चार साल पहले अपहरण कराने, पिस्टल सटाकर रंगदारी मांगने, गालियां व धमकी देने के आरोपी पूर्व सांसद धनंजय सिंह और सहयोगी संतोष विक्रम को सात साल की सजा सुनाई गई है। इसके साथ ही 50 हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया गया है। ऐसे में वे अब लोकसभा चुनाव नहीं लड़ सकेंगे। इससे पहले मंगलवार को अपर सत्र न्यायाधीश चतुर्थ/एमपी एमएलए शरद कुमार त्रिपाठी की अदालत ने दोनों आरोपियों को अपहरण व रंगदारी में दोषी करार दिया था। साथ ही सजा के बिंदु पर सुनवाई के लिए छह मार्च की तिथि नियत की गई थी।

पूर्व सांसद धनंजय व संतोष विक्रम सिंह को इन धाराओं में हुई सजा

1-364 भारतीय दण्ड संहिता अपहरण के मामले में आजीवन कारावास या 10 वर्ष के लिए कठोर कारावास और जुमार्ना।

2-386 भारतीय दंड संहिता रंगदारी मांगने के आरोप में 10 वर्ष व जुमार्ना

3-120-बी भारतीय दंड संहिता षड़यंत्र में जिस प्रकार के अपराध के लिए लगा है षड्यंत्र ही दंड होगा।

4-504 भारतीय दंड संहिता में दो वर्ष कारावास या जुमार्ना या दोनों हो सकता है।

5-506 भारतीय दंड संहिता में अधिकतम सात वर्ष व न्यूनतम दो वर्ष की सजा व जुमार्ना दोनों हो सकता है।

मुजफ्फरनगर निवासी अभिनव सिंघल ने 10 मई 2020 को लाइन बाजार थाने में अपहरण, रंगदारी व अन्य धाराओं में पूर्व सांसद धनंजय सिंह व उनके साथी विक्रम के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। तहरीर में कहा था कि रविवार की शाम को पूर्व सांसद धनंजय सिंह ने अपने साथी विक्रम सिंह के साथ दो व्यक्ति पचहटिया स्थित साइड पर पहुंचे। वहां फॉर्च्यूनर गाड़ी में वादी का अपहरण कर पूर्व सांसद के आवास मोहल्ला कालीकुत्ती में ले गए। वहां धनंजय सिंह पिस्टल लेकर आए और गालियां देते हुए वादी की फर्म को कम गुणवत्ता वाली सामग्री की आपूर्ति करने के लिए दबाव डालने लगे। वादी के इनकार करने पर धमकी देते हुए रंगदारी मांगा। किसी प्रकार उनके चंगुल से निकलकर वादी लाइन बाजार थाने पहुंचा और आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग किया। पुलिस ने पूर्व सांसद धनंजय सिंह को उनके आवास से गिरफ्तार करके कोर्ट में दूसरे दिन पेश किया। कोर्ट ने उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

अधिकारियों-नेताओं ने सार्वजनिक विश्वास को कूड़ेदान में डाला, जिम कॉर्बेट मामले में 'सुप्रीम' टिप्पणी

नई दिल्ली। जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क में अवैध निर्माण व बफर क्षेत्र में बाघ सफारी स्थापित करने से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। अदालत ने शर्तों के साथ बफर जोन में बाघ सफारी स्थापित करने की अनुमति दे दी। वहीं, शीर्ष अदालत ने जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क में अवैध निर्माण, पेड़ों की कटाई की अनुमति देने के लिए उत्तराखंड के पूर्व वन मंत्री हरक सिंह रावत और पूर्व प्रभागीय वन अधिकारी किशन चंद पर नाराजगी जताई। न्यायमूर्ति बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने फटकार लगाते हुए कहा कि राजनेताओं और वन अधिकारियों के बीच सांठगांठ के चलते पर्यावरण को भारी नुकसान हुआ है। राज्य प्रशासन और राजनेताओं ने सार्वजनिक विश्वास के सिद्धांत को कूड़ेदान में फेंक दिया है। इसके अलावा, अदालत ने मामले की जांच कर रही सीबीआई से तीन महीने के अंदर स्टेट्स रिपोर्ट देने को कहा। जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क में बाघ सफारी को लेकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर वकील गौरव कुमार बंसल ने कहा, 'सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को जांच पर अंतरिम रिपोर्ट प्रदान करने का

निर्देश दिया है। इसके अलावा, अदालत ने यह भी निर्देश दिया है कि सफारी बफर क्षेत्र में हो सकती है या नहीं यह बताया जाए।' टाइगर रिजर्व में सफारी की अवधारणा के सवाल पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि शीर्ष अदालत की गठित समिति इस पर गौर करेगी और वे शर्तें लगाएंगे।

शाहजहां शेख मामले में फंसी बंगाल सरकार, हाईकोर्ट ने ईडी को अवमानना केस दायर करने की दी मंजूरी

कोलकाता। शाहजहां शेख और संदेशखाली के मुद्दे पर पश्चिम बंगाल सरकार फंसती दिख रही है। दरअसल कलकत्ता हाईकोर्ट ने ईडी को बंगाल सरकार के खिलाफ अवमानना याचिका दायर करने की मंजूरी दे दी है। दरअसल पश्चिम बंगाल पुलिस ने हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद टीएमसी नेता शाहजहां शेख को सीबीआई को सौंपने से इनकार कर दिया था। ईडी की तरफ से डिप्टी सॉलिसिटर जनरल धीरज त्रिवेदी ने हाईकोर्ट से बंगाल सरकार के खिलाफ अवमानना याचिका दायर करने और उस पर जल्द सुनवाई की अनुमति मांगी, जिसकी हाईकोर्ट पीठ ने मंजूरी दे दी। कलकत्ता हाईकोर्ट की जस्टिस हरीश टंडन और हिरण्मय भट्टाचार्य की डिविजन बेंच ने ईडी को बंगाल सरकार के खिलाफ अवमानना याचिका दायर करने की मंजूरी दी। इससे पहले मंगलवार को हाईकोर्ट ने ईडी टीम पर हमले की जांच सीबीआई को सौंपने और सीबीआई को शाहजहां शेख की कस्टडी देने का निर्देश दिया था। कोर्ट के आदेश के बाद सीबीआई की टीम मंगलवार को भवानी भवन स्थित सीआईडी हेडक्वार्टर में करीब दो घंटे तक इंतजार करके वापस लौट गई, लेकिन बंगाल पुलिस ने शाहजहां शेख की कस्टडी सीबीआई को यह कहकर सौंपने से इनकार कर दिया कि बंगाल सरकार ने हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। बंगाल सरकार ने शाहजहां शेख की कस्टडी सीबीआई को सौंपने के फैसले का विरोध किया है और इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर मामले पर जल्द सुनवाई की मांग की है। शाहजहां शेख राशन घोटाले का आरोपी है और बीती 5 जनवरी को राशन घोटाले में ईडी की एक टीम संदेशखाली स्थित शाहजहां शेख के ठिकानों पर छापेमारी करने पहुंची थी, लेकिन शाहजहां शेख के समर्थकों ने ईडी की टीम पर पथराव कर दिया था। इस मामले में ईडी के कई अधिकारी घायल हुए थे। ईडी ने हमले के मामले में शाहजहां शेख के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। साथ ही बीते दिनों संदेशखाली में लोगों की जमीन अवैध रूप से कब्जाने और महिलाओं के साथ यौन शोषण करने के मामले में भी शाहजहां शेख समेत टीएमसी नेताओं पर आरोप लगे थे।

इसरो दो चरणों में लॉन्च करेगा चंद्रयान-4 मिशन, मानव मिशन की सफलता के लिए बेहद अहम

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अपने चंद्रयान-3 मिशन की सफलता के बाद अब चंद्रयान-4 मिशन की तैयारी कर रहा है। खास बात ये है कि चंद्रयान-4 मिशन दो चरणों में लॉन्च किया जाएगा और चांद पर मानव मिशन भेजने के लिहाज से यह बेहद अहम होगा। चंद्रयान-4 मिशन न सिर्फ चांद की जमीन पर लैंड करेगा, बल्कि वहां से कुछ सैंपल लेकर धरती पर वापस भी लौटेगा। इसरो चीफ एस सोमनाथ ने एक कार्यक्रम के दौरान बताया कि चंद्रयान-4 मिशन में पांच स्पेसक्राफ्ट मॉड्यूल शामिल किए जाएंगे। साथ ही इसे दो रॉकेट की मदद से दो चरणों में लॉन्च किया जाएगा। चंद्रयान-4 में चंद्रयान-3 मिशन की तरह लैंडर, रोवर और प्रोपल्शन मॉड्यूल तो होंगे ही, इनके साथ ही दो अतिरिक्त मॉड्यूल भी होंगे। यही दो मॉड्यूल चांद की सतह से वहां की मिट्टी और पत्थर लेकर धरती पर वापस लौटेंगे। चंद्रयान-4 मिशन में इसरो अपने एलवीएम-3 और पीएसएलवी दोनों रॉकेट का इस्तेमाल करेगा। पहले एलवीएम-3 लॉन्च व्हीकल प्रोपल्शन मॉड्यूल, डिसेंडर

मॉड्यूल और असेंडर मॉड्यूल को लेकर उड़ान भरेगा। इसके बाद ट्रांसफर मॉड्यूल और रि-एंट्री मॉड्यूल को लेकर पीएसएलवी लॉन्च किया जाएगा। इस मिशन को लेकर इसरो आने वाले दिनों में और ज्यादा जानकारी देगा।

'कांग्रेस सत्ता में आई तो रद्द कर देंगे सीएए', बोले पवन खेड़ा, मणिपुर नहीं जाने पर की पीएम मोदी की आलोचना

गुवाहाटी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने बताया कि लोकसभा चुनाव में अगर उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो वे नागरिकता (संशोधन) अधिनियम 2019 (सीएए) को रद्द कर देंगे। उन्होंने मणिपुर में जारी हिंसा के दौरान राज्य का दौरा नहीं करने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना भी की है। गुवाहटी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा, "अबतक असम के लिए कट ऑफ तारीख 1971 बहुत खास था, लेकिन सीएए के आने से उनसे ये अधिकार छीन लिए जाएंगे। इसके बाद उनके लिए कट ऑफ तारीख 2014 होगी।" उन्होंने बताया कि असम समझौते के अनुसार, बांग्लादेश से असम में प्रवेश करने वाले नागरिकों की कट ऑफ तारीख 25 मार्च 1971 है। सीएए के तहत मोदी सरकार बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से प्रताड़ित गैर-मुस्लिम प्रवासियों हिंदू, सिख, ईसाई, बौद्ध, पारसियों को नागरिकता प्रदान करना चाहती है, जो 31 दिसंबर 2014 तक भारत आए हैं। पवन खेड़ा ने कहा, "अगर

कांग्रेस सत्ता में आई तो हम सीएए रद्द कर देंगे। उन्होंने आगे बताया, 2019 में सीएए को संसद में पारित किया गया था और इसे राष्ट्रपति की भी मंजूरी मिल गई थी, जिसके बाद उत्तर-पूर्वी राज्यों में इसे लेकर काफी हंगामा भी हुआ था।" केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने पिछले महीने कहा था कि लोकसभा चुनाव से पहले वह सीएए लागू करने के नियमों को जारी करेंगे। हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी के असम दौरे के दौरान कांग्रेस ने मणिपुर नहीं जाने पर उनकी आलोचना की थी। पवन खेड़ा ने कहा, "प्रधानमंत्री मणिपुर जाने से क्यों डर रहे हैं? हम उनसे अनुरोध करते हैं कि जब वह यहां आए तो कम से कम आधे घंटे के लिए राज्य का दौरा करें।" मणिपुर में पिछले साल तीन मई से जारी जातीय हिंसा में अबतक 219 लोगों की मौत हो चुकी है। कांग्रेस नेता ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को भ्रष्ट बताते हुए कहा कि जनता उन्हें जवाब देगी। इसके साथ ही उन्होंने यह दावा किया कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस असम में अच्छा प्रदर्शन करेगी।

डीजीपी ने दिया निर्देश- कांवड़ यात्रा मार्ग पर विशेष सतर्कता बरतें, सुरक्षा के साथ यातायात व्यवस्था करें

लखनऊ। डीजीपी प्रशांत कुमार ने महाशिवरात्रि पर कांवड़ यात्रा मार्ग की सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। सभी एडीजी जोन, पुलिस कमिश्नर, आईजी रेंज और जिलों के पुलिस कप्तानों को जारी दिशा-निर्देशों में कहा कि सभी थाना क्षेत्रों में महाशिवरात्रि कार्यक्रम के आयोजकों, शांति समितियों, शिविर प्रबंधकों आदि के साथ वरिष्ठ अधिकारी संवाद बनाकर रखें। साथ ही जलाभिषेक वाले धार्मिक स्थलों पर पुलिस प्रबंध किया जाए और एंटी सेबोटॉज चेकिंग के अलावा क्यूआरटी टीमों को स्ट्रेटेजिक प्वाइंट पर तैयार रखा जाए। कांवड़ यात्रियों के आवागमन के मार्गों, संवेदनशील मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों एवं अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर विशेष सतर्कता बरती जाए। सुरक्षा के साथ यातायात व्यवस्था भी की जाए। रात में कांवड़ यात्रियों के साथ कोई मार्ग दुर्घटना न हो, इसके लिए विशेष पुलिस प्रबंध किया जाए। वैकल्पिक मार्गों का चिह्नीकरण करते हुए ट्रैफिक डायवर्जन कराया जाए। कांवड़ मार्गों व धार्मिक स्थलों के आसपास पोस्टर पार्टी को सक्रिय रखा जाए। सोशल मीडिया के सभी प्लेटफार्मों पर सतर्क दृष्टि रखी जाए।

संपादकीय

पाक में फिर शहबाज

पाकिस्तान आम चुनाव में सेना व तंत्र की मिलीभगत से जिस तरह धांधली हुई, उसे सारी दुनिया ने देखा। इसके बावजूद संख्या बल में जेल में बंद इमरान खान के समर्थक उम्मीदवारों ने बाजी मारी। यही वजह है कि चुनाव के उपरांत सरकार बनाने के जोड़तोड़ में प्रधानमंत्री पद का फैसला चुनाव के चार सप्ताह बाद ही हो सका। लेकिन चुनाव के नतीजे इस तरह आए कि पीएमएल-एन के सुप्रीमो नवाज शरीफ भी प्रधानमंत्री बनने का साहस नहीं जुटा सके। सेना ने पीएमएल-एन के साथ तालमेल बैठाकर लंदन में निर्वासित जीवन बिता रहे नवाज शरीफ को न केवल पाकिस्तान लौटने की इजाजत दी बल्कि उन पर दर्ज मुकदमों को इस स्थिति में पहुंचा दिया ताकि वे चुनाव लड़ सकें। लेकिन सेना व पीएमएल-एन के तमाम प्रयासों के बावजूद नवाज शरीफ के लिए प्रधानमंत्री बनने की स्थितियां नहीं बन सकी। उनकी पार्टी बहुमत से दूर रही। शरीफ राजनीति के पुराने खिलाड़ी हैं और देश में व्याप्त जनाक्रोश को महसूस कर रहे हैं। तभी पार्टी ने नवाज के छोटे भाई शहबाज शरीफ को प्रधानमंत्री बनाने का फैसला लिया। बहत्तर वर्षीय शहबाज शरीफ की प्रधानमंत्री के रूप में यह दूसरी पारी है। इससे पहले विपक्षी गठबंधन द्वारा इमरान खान को सत्ता से बाहर किये जाने पर भी वे एक साल चार महीने तक पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। लेकिन उनके खाते में ऐसी कुछ उपलब्धियां नहीं हैं जिनके बूते उनसे सुशासन की उम्मीद की जा सके। पाकिस्तान वर्तमान में जिस आर्थिक संकट से दो-चार है, उससे देश को बाहर निकालना शहबाज शरीफ के लिये आसान नहीं होगा। दरअसल, शहबाज विरोधी दलों के गठबंधन के साथ हुए समझौते के बाद ही प्रधानमंत्री बन सके हैं। बताया जा रहा है कि पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी यानी पीपीपी अपने मुखिया आसिफ अली जरदारी को राष्ट्रपति बनाए जाने की शर्त पर शहबाज शरीफ को प्रधानमंत्री बनाने पर राजी हुई है। इन हालातों के चलते ही नवाज शरीफ ने प्रधानमंत्री पद की दावेदारी से अपना हाथ पीछे खींचा है। बहरहाल, इमरान खान के जेल में होने और नवाज शरीफ की ऊहापोह के बीच शहबाज शरीफ को प्रधानमंत्री बनने का मौका मिल पाया है। पीएमएल-एन का नेतृत्व जानता है कि शहबाज विपक्षी दलों और सेना से तालमेल बनाने में कामयाब होकर अपनी कुर्सी बचा सकते हैं। इसके अलावा पाकिस्तान के भीतर स्थितियां इतनी चुनौतीपूर्ण हैं कि वहां राज करना कांटों का ताज संभालना ही है। पूरी दुनिया में घटती साख के बीच पाक का आर्थिक संकट जगजाहिर है। महंगाई के त्रास से पाकिस्तानी जनता त्राहि-त्राहि कर रही है। वहीं उन्हें इमरान के नेतृत्व वाले विपक्ष के कड़े प्रतिरोध को झेलना होगा। सही मायनों में शहबाज शरीफ के कंधों पर बोझ होगा कि वे पाकिस्तान को विफल राष्ट्र की श्रेणी में आने से बचाएं। वहीं सेना से तालमेल बनाना भी एक चुनौती होगी। इतिहास गवाह है कि जब भी पाकिस्तान में लोकतंत्र कमजोर हुआ है सेना को निरंकुश व्यवहार करने की छूट मिली है। इमरान खान पर जिस तरह मुकदमें लादकर उन्हें जेल भेजा गया, उससे सेना के हस्तक्षेप की हकीकत सामने आई है। वहीं कठमुल्लाओं की चुनौती का भी उन्हें सामना करना होगा। पिछले लंबे समय से पाक तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान यानी टीटीपी के निशाने पर रहा है। उसके हमले में सैकड़ों सुरक्षाकर्मियों व नागरिकों की जान गई है। जहां तक नई सरकार के भारत से संबंधों की बात है तो उसमें किसी बड़े बदलाव की उम्मीद नहीं की जानी चाहिए। प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद कश्मीर मुद्दे पर शहबाज शरीफ ने जिस तरह विषवमन किया, उससे इस बात की पुष्टि होती है। भारत विरोध पाक नेताओं को राजनीतिक रूप से लाभकारी लगता है। बहरहाल ऐसे हालात में कोई उम्मीद नहीं की जा सकती है कि शहबाज शरीफ अर्थव्यवस्था व कानून व्यवस्था को जल्दी ही पटरी पर ला पाएंगे। उनके शासन की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि विपक्ष दल व सेना उन्हें किस सीमा तक काम करने की आजादी देते हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि भारत विरोधी ग्रंथि से मुक्त होकर शहबाज शरीफ दोनों देशों के बीच बेहतर रिश्ते बनाने की दिशा में प्रयास करेंगे।

नया गुल खिलाएं!

बदलने को पाला ।
हैं व्याकुल कुछ लोग ।।
कर सकते हैं समय का ।
जल्द कुछ उपयोग ।।
कुछ दिनों से सामने ।
हैं नहीं वो आए ।।
हो सकता है शायद ।
नया गुल खिलाएं ।।
अटकलों का फिर से ।
गर्म है बाजार ।।
लग रहा है उनको ।
हैं फंसे मझधार ।।
मिल गया है न्यौता ।
है मन अब ललचाया ।।
खबर आ रही कोई तो ।
उनको पास बुलाया ।।

–कृष्णेन्द्र राय

सुप्रीम फैसलों ने बढ़ाया देश का मान, देशवासियों को है न्यायपालिका पर विश्वास

रमेश सर्राफ धमोरा

भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में कई ऐसे फैसले दिए हैं जिससे देश का मान तो बढ़ा ही है। उसके साथ ही वो फैसले न्यायपालिका के क्षेत्र में भी मील के पत्थर साबित होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसलों से जहां हर देशवासी को गौरवान्वित किया हैं। वहीं देशवासियों का न्यायपालिका के प्रति विश्वास को भी सुदृढ़ किया है। सुप्रीम कोर्ट के इन फैसलों की पूरे देश में सराहना हो रही है। देश के आम आदमी को भी सुप्रीम कोर्ट के फैसले से यह महसूस होने लगा कि हमारे देश में न्याय कभी कमजोर नहीं हो सकता है। हालांकि पिछले कई वर्षों से देश में न्यायपालिका को कमजोर करने के आरोप लग रहे थे। जिनको सुप्रीम कोर्ट के फैसलों ने झूठला दिया है।

04 मार्च 2024 को वोट के बदले नोट के मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। अब रिश्वत लेकर सदन में वोट दिया या सवाल पूछा तो सांसदों या विधायकों को विशेषाधिकार के तहत मुकदमे से छूट नहीं मिलेगी। सुप्रीम कोर्ट की 7 जजों की संवैधानिक पीठ ने सोमवार को अपना 25 साल पुराना फैसला पलट दिया। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस एएस बोपन्ना, एमएम सुंदरेश, पीएस नरसिम्हा, जेबी पारदीवाला, संजय कुमार और मनोज मिश्रा की संवैधानिक पीठ ने कहा कि हम 1998 में दिए गए जस्टिस पीवी नरसिम्हा के उस फैसले से सहमत नहीं हैं। जिसमें सांसदों और विधायकों को सदन में भाषण देने या वोट के लिए रिश्वत लेने पर मुकदमे से छूट दी गई थी।

1998 में 5 जजों की संवैधानिक पीठ ने 3-2 के बहुमत से तय किया था कि ऐसे मामलों में जनप्रतिनिधियों पर मुकदमा नहीं चलाया जा सकता। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि अगर कोई घूस लेता है तो केस बन जाता है। यह मायने नहीं रखता है कि उसने बाद में वोट दिया या फिर स्पीच दी। आरोप तभी बन जाता है जिस वक्त कोई सांसद घूस स्वीकार करता है। संविधान के आर्टिकल 105 और 194 सदन के अंदर बहस और विचार-विमर्श का माहौल बनाए रखने के लिए हैं। दोनों अनुच्छेद का मकसद तब बेमानी हो जाता है। जब कोई सदस्य घूस लेकर सदन में वोट देने या खास तरीके से बोलने के लिए प्रेरित होता है। आर्टिकल 105 या 194 के तहत रिश्वतखोरी को छूट हासिल नहीं है। रिश्वत लेने वाला आपराधिक काम में शामिल होता है। ऐसा करना सदन में वोट देने या भाषण देने के लिए जरूरत की श्रेणी में नहीं आता है। सांसदों का भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी को नष्ट कर देती है। हमारा मानना है कि संसदीय विशेषाधिकारों के तहत रिश्वतखोरी को संरक्षण हासिल नहीं है। यह मुद्दा दोबारा तब उठा जब झामुमो विधायक सीता सोरेन ने अपने खिलाफ जारी आपराधिक कार्रवाई को रद्द करने की याचिक दाखिल की। उन पर आरोप था कि उन्होंने 2012 के झारखंड के राज्यसभा चुनाव में एक खास प्रत्याशी को वोट देने के लिए रिश्वत ली थी। सीता सोरेन ने अपने बचाव में तर्क दिया था कि उन्हें सदन में कुछ भी कहने या वोट देने के लिए संविधान के अनुच्छेद 194 (2) के तहत छूट हासिल है।

इसी तरह कुछ दिनों पहले सुप्रीम कोर्ट ने एक बड़ा फैसला देते हुए राजनीतिक दलों के लिए चंदा जुटाने की पुरानी इलेक्टोरल बांड स्कीम को अवैध करार देते हुए इसके जरिए चंदा लेने पर तत्काल रोक लगा दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि इलेक्टोरल बांड की गोपनीयता बनाए रखना असंवैधानिक है। यह स्कीम सूचना के अधिकार का उल्लंघन करती है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के नेतृत्व में गठित पांच जजों की बेंच ने सर्वसम्मति से फैसला सुनाया था। अपने फैसले में चीफ जस्टिस ने कहा है कि पॉलीटिकल प्रोसेस में राजनीतिक दल अहम यूनिट होते हैं। पॉलिटिकल फंडिंग की जानकारी वह प्रक्रिया है जिससे मतदाता को वोट डालने के लिए सही चॉइस मिलती है। वोटर्स को चुनावी फंडिंग के बारे में जानने का अधिकार है। जिससे मतदान के लिए सही चयन होता है। याचिकाकताओं ने इस योजना को लागू करने के लिए फाइनेंस एक्ट 2017 और फाइनेंस एक्ट 2016 में किए गए कई संशोधन को गलत बताया था। याचिकाकताओं का दावा है कि कि इससे राजनीतिक दलों को बिना जांच और टैक्स भरे फंडिंग मिल रही है। तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने 2017 के बजट में चुनावी इलेक्टोरल बांड स्कीम को पेश किया था। जिसे 2 जनवरी 2018 को केंद्र सरकार ने नोटिफाई किया था। दिसंबर 2019 में याचिकाकताओं ने इस योजना पर रोक लगाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में एक आवेदन दिया था। इसमें मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से बताया गया था कि किस तरह चुनावी बांड योजना पर चुनाव आयोग, रिजर्व बैंक की चिताओं को केंद्र सरकार ने दरकिनार कर दिया था। चुनाव आयोग का मानना था कि चंदा देने वालों के नाम गुमनाम रखने से पता लगाना संभव नहीं होगा कि राजनीतिक दल ने धारा 29 (बी) का उल्लंघन कर चंदा लिया है या नहीं। विदेशी चंदा लेने वाला कानून भी बेकार हो जाएगा। भारतीय रिजर्व बैंक का मानना था कि इलेक्टोरल बांड मनी लॉन्ड्रिंग को बढ़ावा देगा। इसके जरिए ब्लैक मनी को व्हाइट करना संभव होगा। चुनाव आयोग व रिजर्व बैंक की आपत्ति के बाद सुप्रीम कोर्ट का फैसला अपने आप में ऐतिहासिक माना जा सकता है। कुछ दिनो पूर्व चंडीगढ़ मेयर चुनाव मामले में सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली बेंच ने बड़ा फैसला करते हुए आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार कुलदीप कुमार को मेयर घोषित कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि पीठासीन अधिकारी अनिल मसीह की तरफ से घोषित बीजेपी कैंडिडेट मनोज कुमार सोनकर को मेयर के तौर पर विजेता घोषित करने का फैसला अवैध है और उसे खारिज किया जाता है। शीर्ष अदालत ने कहा कि पूरे चुनावी प्रक्रिया को खारिज करने से लोकतांत्रिक सिद्धांत के लिए विनाशकारी होगा क्योंकि यह सब पीठासीन अधिकारी के मिसकंडक्ट के कारण हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पीठासीन अधिकारी मसीह ने जानबूझकर आठ बैलेट पेपर को विकृत किया है। इसलिये उनके खिलाफ मुकदमा चलाए जाने के लिए नोटिस जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में अनुच्छेद 142 के तहत विशेषाधिकार का इस्तेमाल करते हुए आदेश पारित करते हुए कहा था कि पूर्ण न्याय के लिए हम निर्देश जारी कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस और चीफ जस्टिस ने बैलेट पेपर और वीडियो का अवलोकन किया और खुद ही परीक्षण किया और पाया है कि वह विकृत नहीं है।

महाशिवरात्रि कैसे मनाएं

भगवान शिव सहज प्रसन्न होने वाले देवता हैं, इसलिए भगवान शिवजी के भक्तों की संख्या पृथ्वी पर अधिक है । भगवान शिवजी रात्रि के एक प्रहर में विश्रांति लेते हैं । उस प्रहर को अर्थात शंकर के विश्रांति लेने के समय को महाशिवरात्रि कहते है । महाशिवरात्रि के दिन शिवतत्त्व नित्य की तुलना में 1000 गुना अधिक कार्यरत रहता है। शिवतत्त्व का अधिकाधिक लाभ प्राप्त करने हेतु महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव की भावपूर्ण रीति से पूजा-अर्चना करने के साथ ह्यॐ नमः शिवायह्न यह नामजप अधिकाधिक करना चाहिए ।

शिवजी को कौन से पुष्प अर्पण करें

भगवान शिव को श्वेत रंग के पुष्प ही चढाएं । उसमे रजनीगंधा, जूही, बेला पुष्प अवश्य हों । ये पुष्प दस अथवा दस के गुणज में हों । इन पुष्पों को चढ़ाते समय उनका डंठल शिवजी की और रखकर चढ़ाएं। पुष्पों में धतूरा, श्वेत कमल,श्वेत कनेर आदि पुष्पों का चयन भी कर सकते हैं । भगवान शिव को केवडा निषिद्ध है, किन्तु केवल महाशिवरात्रि के दिन केवडा चढ़ाया जाता है ।इस कालावधि में शिव-तत्त्व अधिक से अधिक आकृष्ट करने वाले बेल पत्र, श्वेत पुष्प इत्यादि शिवपिंडी पर चढाए जाते हैं । इनके द्वारा वातावरण में विद्यमान शिव-तत्त्व आकृष्ट किया जाता है । भगवान शिव के नाम का जाप करते हुए अथवा उनका एक-एक नाम लेते हुए शिव पिंडी पर बेलपत्र अर्पण करने को बिल्वार्चन कहते हैं । इस विधि में शिवपिंडी को बेल पत्रों से संपूर्णतः आच्छादित किया जाता है ।

शिवजी की परिक्रमा कैसे करें

शिवजी की परिक्रमा चंद्रकला के समान अर्थात सोमसूत्री होती है । सूत्र का अर्थ है, नाला । अरघा से उत्तर दिशा की ओर, अर्थात सोम की दिशा की ओर, जो सूत्र जाता है, उसे सोमसूत्र या जलप्रणालिका कहते हैं । परिक्रमा बाईं ओर से आरंभ कर जल प्रणालिका के दूसरे छोर तक जाते हैं । उसे न लांघते हुए मुडकर पुनः जलप्रणालिका तक आते हैं । ऐसा करने से एक परिक्रमा पूर्ण होती है । यह नियम केवल मानव स्थापित अथवा मानव निर्मित शिवलिंग के लिए ही लागू होता है; स्वयंभू लिंग या चल अर्थात पूजा घर में स्थापित लिंग के लिए नहीं ।

महाशिवरात्रि व्रत की विधि

महाशिवरात्रि के एक दिन पहले अर्थात फाल्गुन कृष्ण पक्ष त्रयोदशी पर एकभुक्त रहकर चतुर्दशी के दिन प्रातःकाल व्रत का संकल्प किया जाता है । सायंकाल नदी पर अथवा तालाब पर जाकर शास्त्रोक्त स्नान किया जाता है । भस्म और रुद्राक्ष धारण कर प्रदोष काल में शिवजी के मन्दिर जाते हैं । शिवजी का ध्यान कर षोडशोपचार पूजन किया जाता है । उसके बादभवभवानी प्रीत्यर्थ (यहां भव अर्थात शिव) तर्पण किया जाता है । नाम मन्त्र जपते हुए शिवजी को एक सौ आठ कमल अथवा बिल्वपत्र व पुष्पांजलि अर्पित कर अर्घ्य दिया जाता है । पूजासमर्पण, स्तोत्र पाठ तथा मूल मन्त्र का जाप हो जाए, तो शिव जी के मस्तक पर चढाए गए फूल लेकर अपने मस्तक पर रखकर शिवजी से क्षमा याचना की जाती है ।

आलोचना – महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में शिवलिंग पर दूध का अभिषेक न कर उस दूध का अनाथों में वितरण करें !

खंडन – भगवान शिवजी को संभवतः दूध से अभिषेक करना चाहिए; क्योंकि दूध में शिवजी के तत्त्व को आकर्षित करने की क्षमता अधिक होने से दूध के अभिषेक के माध्यम से शिवजी का तत्त्व शीघ्र जागृत हो जाता है । उसके पश्चात उस दूध को तीर्थ के रूप में पीने से उस व्यक्ति को शिवतत्त्व का अधिक लाभ मिलता है । दूध शक्ति का प्रतीक होने से शिवलिंग पर उसका अभिषेक किया जाता है, यह इसका अध्यात्मशास्त्र है । ऐसा करने से पूजक को उसका आध्यात्मिक लाभ मिलता है । आज शिवलिंग पर दूध का अभिषेक करने पर आपत्ति जताने वाले कल हिंदुओं के देवता दर्शन पर भी आपत्ति जताई, तो उसमें आश्चर्य कैसा (हिन्दुओं को धर्मद्रोहियों की भूलभुलैया में न फँसते हुए धर्मशास्त्र के अनुसार ही आचरण करना ही उनके लिए, अच्छा सिद्ध होगा ।)

कालानुसार आवश्यक उपासना

आजकल विविध प्रकार से देवताओं का अनादर किया जाता है । नाटकों एवं चित्रपटों में देवी-देवताओं की अवमानना करना, कला स्वतंत्रता के नाम पर देवताओं के नग्न चित्र बनाना, व्याख्यान, पुस्तक आदि के माध्यम से देवताओं पर टीका-टिप्पणी करना, व्यावसायिक विज्ञापन के लिए देवताओं का ह्यमॉडलह्न के रूप में उपयोग किया जाना, उत्पादनों पर देवताओं के चित्र प्रकाशित करना तथा देवताओं की वेशभूषा पहनकर भीख मांगना इत्यादि अनेक प्रकार दिखाई देते है । यही सब प्रकार शिवजी के संदर्भ में भी होते है । देवताओं की उपासना का मूल है श्रद्धा । देवताओं के इस प्रकार के अनादर से श्रद्धा पर प्रभाव पडता है; तथा धर्म की हानि होती है । धर्महानि रोकना कालानुसार आवश्यक धर्मपालन है । यह देवता की समष्टि अर्थात समाज के स्तर की उपासना ही है । इसके बिना देवता की उपासना परिपूर्ण हो ही नहीं सकती । इसलिए इन अपमानों को उद्बोधन द्वारा रोकने का प्रयास करें ।

उपरोक्त जानकारी सनातन संस्था द्वारा आयोजित सत्संगों में बताई गई ।

लोकसभा चुनाव 2024 में नरेंद्र मोदी के सामने विपक्ष का चेहरा कौन?

डॉ. आशीष वशिष्ठ

अगले कुछ दिनों में चुनाव आयोग लोकसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा करेगा। राजनीतिक दल चुनाव मैदान में कूद चुके हैं। देश का राजनीतिक तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है। भाजपानीत एनडीए का चेहरा नरेंद्र मोदी हैं। ऐसे में अहम प्रश्न है कि मोदी के सामने विपक्ष का चेहरा कौन होगा? क्या विपक्ष चुनाव मैदान में उतरने से पहले किसी एक चेहरे पर सहमति बना पाएगा? या फिर विपक्ष बिना चेहरे के ही मोदी को चुनौती देगा? विपक्ष अभी तक यह तय नहीं कर पाया है कि मोदी के सामने कौन विपक्ष को चेहरा कौन होगा। भाजपा ने पिछले चुनाव में भी इस बात को खूब प्रचारित किया था कि विपक्ष के पास मोदी का कोई विकल्प नहीं है। सोशल मीडिया पर आज भी इस बात की चर्चा होती है कि आम चुनाव में विपक्ष के पास प्रधानमंत्री के लिए कौन ऐसा उम्मीदवार है, जो मोदी की बराबरी करता दिखे? इसका कोई जवाब विपक्ष के पास नहीं है। विपक्ष में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार अनेक हैं। दलों में क्षेत्रीय स्तर पर टकराव बहुत हैं। इनके चलते विपक्ष चुनाव, संसद के भीतर या सड़क पर सरकार के खिलाफ एकजुट नहीं दिखाई देता है। नीतीश कुमार ने विपक्षी एकता का प्रयास किया था, लेकिन कांग्रेस के रवैये से रुष्ट होकर वो दोबारा एनडीए में शामिल हो चुके हैं।

इंडी अलायंस पिछले दस महीने में आधा दर्जन बैठकों के बाद भी किसी एक चेहरे के नाम पर सहमति नहीं बना पाया। विपक्ष का हर नेता स्वयं को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार समझता है। 2014 के बाद जब से नरेंद्र मोदी की अगुवाई में नई बीजेपी सामने आई तब से देश में चेहरा आधारित चुनाव का नया दौर शुरू हुआ। नरेंद्र मोदी के सामने विकल्प कौन? यह विपक्ष का सबसे अनसुलझा सवाल रहा। बीता साल भी विपक्ष ने इसी के जवाब में निकाल दिया। विपक्ष ने 27 दलों का इंडी अलायंस भी बनाया तब भी उसमें एक आम चेहरा सामने नहीं ला पाया। वहीं अगर पिछले कुछ सालों का रिकार्ड देखें तो जिस राज्य में विपक्ष ने विधानसभा चुनाव में मजबूत चेहरा रखा वहां उसे विजय हासिल हुई। लेकिन केंद्र में आकर वह ऐसा करने में विफल रहा। बीती 19 दिसंबर को इंडी अलांयस की मीटिंग में यह मसला उठा और कुछ नेताओं ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का नाम आगे किया लेकिन इसमें सफलता नहीं मिली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जोर देकर कहा कि विपक्षी दलों के लिए पहली प्राथमिकता आम चुनाव जीतना और फिर प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार का नाम तय करना होगा। उन्होंने कहा, ह्यह्यआवश्यक सदस्यों के बिना पीएम उम्मीदवार के बारे में चर्चा निरर्थक हैह्नह्न खड़गे के गैर-प्रतिबद्ध रुख ने संकेत दिया कि गठबंधन का चेहरा नामित करने का मुद्दा विवादास्पद बना हुआ है। जबकि तमाम आंकड़े और सर्वेक्षण बताते हैं कि आजकल मतदाता चुनाव में नेतृत्व की स्पष्टता वाले दल की ओर अधिक जाना पसंद करते हैं।

ऐसे में विपक्ष के लिए इस अनसुलझे प्रश्न की तलाश सबसे अधिक है। मुकाबला तो साफ तौर पर घोषित उम्मीदवारों के बीच होता है। जब विपक्ष ने किसी को अपना चेहरा घोषित ही नहीं कर पाया, ऐसे में आमजन में यह संदेश गया कि विपक्ष के पास मोदी का मुकाबला करने वाला कोई नाम और चेहरा नहीं है। बिना किसी चेहरे के विपक्ष अपनी आधी लड़ाई शुरू होने से पहले ही हार चुका है। इंडी अलांयस के गठन के पहले ही दिन से कांग्रेस बड़ी चालाकी से गठबंधन के संयोजक के मुद्दे पर हीलाहवाली करती रही। सीट बंटवारे को लेकर भी उसका रूख कभी साफ नहीं रहा। वास्तव में कांग्रेस ने बड़ी चालाकी से नीतीश कुमार के बनाए मंच पर अपना वर्चस्व और प्रभुत्व स्थापित कर लिया। और रणनीति के तहत वो संयोजक के नाम की घोषणा जैसे अहम मुद्दे को बैठक दर बैठक टालती रही। गठबंधन में संयोजक ही प्रधानमंत्री पद का चेहरा होता। कांग्रेस यह नहीं चाहती थी कि राहुल गांधी के अलावा कोई दूसरा चेहरा गठबंधन की ओर से घोषित किया जाए। हालांकि कांग्रेस की चालाकी को नीतीश, केजरीवाल और ममता भांप गए। इसलिए इन तीन नेताओं ने कांग्रेस के रवैये की आलोचना करने से परहेज नहीं किया।

नीतीश तो गठबंधन से अलग हो गए। ममता ने मल्लिकार्जुन का नाम प्रधानमंत्री पद के लिए आगे बढ़ाकर राहुल और अन्य संभावित प्रत्याशियों का रास्ता रोकने का काम किया। केजरीवाल कांग्रेस के साथ आए भी तो अपनी शर्तों पर। कांग्रेस ने झुककर आप से सीटों का बंटवारा किया। ममता अकेले चुनाव लड़ने का संदेश दे ही चुकी है। मतलब साफ है कि गठबंधन में कोई किसी को आगे बढ़ता देखना नहीं चाहता। विपक्ष का हर नेता स्वयं को प्रधानमंत्री पद का दावेदार मानता है। और वो प्रधानमंत्री पद के लिए अपना रास्ता साफ रखना चाहता है। देष की जनता विपक्षी नेताओं के चाल चरित्र और सत्ता की लोलुपता को बड़े ढंग से देख रही है। जनता को पता है कि एक ओर प्रधानमंत्री मोदी जैसे ऊजार्वान और निस्वार्थ व्यक्ति है, जो अहर्निशं देश और देशवासियों के कल्याण और विकास के बारे में सोचता है। और दूसरी ओर एक ऐसा गठबंधन है, जिसके अधिकांश नेता अपना वर्तमान और अपने परिवार का भविष्य सुरक्षित करने के लिए जोड़ तोड़ कर रहे हैं। उन्हें मोदी को अपने सत्ता सुख के लिए हराना है।

विपक्ष देश की जनता को कभी यह नहीं बताता कि वो मोदी को हटाकर उनके लिए क्या करेंगे? देश के विकास का उनका मॉडल क्या है? उन्होंने देश के प्रगति का कौन सा रोडमैप तैयार किया है? विपक्ष मुफ्त की सौगातों और न पूरे होने वाले वायदे देकर सत्ता हासिल करने की कोशिशों में जुटा है। मोदी सरकार के हर काम की आलोचना और अड़चन को ही विपक्ष अपना धर्म और कर्तव्य मानता है। उसके पास कोई देश को आगे बढ़ाने का कोई माडल, रोडमैप और ब्लूप्रिंट नहीं है। देशवासी सब कुछ देख रहे हैं। पिछले दस वर्षों में देश में जो परिवर्तन और विकास हुआ है, उसे विपक्ष के नेता अपने बयानों की चादर से ढक नहीं सकते। सरकारी योजनाओं से करोड़ो देशवासी लाभन्वित हुए हैं। सरकारी कार्यप्रणाली में निष्पक्षता और पारदर्शिता का प्रतिशत बढ़ा है। प्रधानमंत्री मोदी पिछले दो महीने में कई अवसरों पर अपने तीसरे कार्यकाल का जिक्र कर चुके हैं। बीती 3 मार्च को पीएम मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट की बैठक हुई। मौजूदा सरकार की यह आखिरी कैबिनेट बैठक थी। करीब 11 घंटे चली मीटिंग में विजन डॉक्यूमेंट विकसित भारत 2047, अगले 5 साल की योजनाओं और सरकार के तीसरे कार्यकाल के दौरान पहले 100 दिन की रणनीति पर चर्चा हुई। जहां एक ओर विपक्ष के कई बड़े नेता अपने लिए सुरक्षित सीटें और गठबंधन में सीटों के बंटवारे को लेकर उलझे हुए हैं। वहीं पीएम मोदी तीसरे कार्यकाल की रणनीति तय कर रहे हैं। पीएम मोदी के आत्मविश्वास से अंदर ही अंदर समूचे विपक्ष में घबराहट है।

प्रधानमंत्री मोदी ने बढ़ाया माताओ बहनों का सम्मान : प्रमोद वर्मा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के बारासात से नारी बंधन महिला सशक्तिकरण रैली को संबोधित किया जिसका लाइव प्रसारण जखनियां ब्लाक सभागार में एलईडी के माध्यम से हुआ और सभागार में उपस्थित नारी शक्ति माताओ बहनों ने सुना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा यह विशाल कार्यक्रम इस बात का साक्षी है कि बीजेपी कैसे नारी शक्ति को विकसित भारत की शक्ति बना रहा है। उन्होंने कहा इतना बड़ा राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम आयोजित करना देशभर में 19 - 20 हजार स्थान पर पर महिला समूह एक कार्यक्रम से जुड़े हो यह हिंदुस्तान के सार्वजनिक जीवन की सबसे बड़ी घटना है। उक्त अवसर पर भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष प्रमोद वर्मा ने कहा यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने जितना मान, सम्मान अपने माताओ बहनों के जीवन में आर्थिक उत्थान अनेक योजनाओं का

संचालन और उनको शक्ति प्रदान की वह किसी भी सरकार में उनको प्राप्त नहीं हुई। वर्मा ने कहा आज हमारी माताएं, बहने व्यक्तिगत रूप से खुद सशक्त है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, जनधन खाते, उज्जवला गैस, कच्चे मकान से पक्का मकान, इज्जत घर, लखपति दीदी सारी सुविधाएं माताओ बहनों को मोदी सरकार ने दिया है। वर्मा ने कहा जो इस देश की आधी आबादी को आरक्षण देने की बात वर्षों से हो रही थी उस महिला आरक्षण विधेयक को भी मोदी सरकार ने पास कराया। आने वाले समय में महिलाएं सशक्त होंगी 543 लोकसभा वाली सीटों में 181 सीट महिलाओं की होगी, जिसमें से एक तिहाई सीट अपनी शोषित वंचित एससी-एसटी माता बहनों के लिए आरक्षित होंगी। हमारी माताएं, बहने आने वाले समय में नारी समाज के उत्थान के लिए, उनके विकास के लिए खुद कानून बनाएंगी यह मोदी की गारंटी है। वर्मा ने मोदी जी की बात को आत्मसात करते हुए कहा संदेशखाली में तृणमूल कांग्रेस के एक वर्ग द्वारा मुस्लिम तुष्टीकरण के कारण ममता राज में हमारी माताओ, बहनों के साथ जो अत्याचार व व्यभिचार हुआ, नारी शक्ति के साथ जो घोर पाप हुआ उससे किसी का भी सिर शर्म से झुक जाएगा। लेकिन यहां जो ममता दीदी है या देश मे इंडि गठबंधन है उन्होंने इस घोर, अत्याचार, पाप पर एक शब्द भी नहीं बोला यह सोचनीय है। मैं धन्यवाद देना चाहूंगा संदेशखाली की माताओ, बहनों को जिन्होंने इस लड़ाई को खुद लड़ा और आज पापी शाहजहां शेख सलाखों के भीतर है। भाजपा सरकार पूर्ण रूप से अपने साहसी माताओ बहनों के साथ है। और आने वाले समय में भी अपनी माताओ बहनों को सुरक्षा प्रदान करेगी तथा साथ ही साथ तीन करोड़ माताओ बहनों को लखपति दीदी भी बनाएगी। वर्मा ने कहा हम सबको भी इंडि गठबंधन के तुष्टीकरण से सावधान रहना है और अपने क्षेत्र में सुयोग्य, कर्मठ, ईमानदार प्रत्याशी को लोकसभा में चुनना है और नरेंद्र मोदी जी के हाथों को मजबूत करना है। कार्यक्रम को पूर्व जिला मंत्री राजेश सोनकर, वरिष्ठ नेता दयाशंकर सिंह, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष मृदुला पांडेय सहित प्रमुख लोगों ने संबोधित किया।

39वें चेतना महोत्सव में गाजीपुर गौरव सम्मान से नवाजे जाएंगे सरदार दर्शन सिंह

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। साहित्य चेतना समाज की बैठक नगर के स्वामी विवेकानन्द कॉलोनी स्थित संस्था के कैम्प कार्यालय पर हुई। बैठक में संस्था द्वारा प्रतिवर्ष दिए जाने वाले गाजीपुर गौरव सम्मान हेतु इस वर्ष सरदार दर्शन सिंह का चयन किया गया। समाज सेवा के क्षेत्र में इनके द्वारा किये गये महत्वपूर्ण योगदान पर विस्तृत चर्चा कर सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया। यह जानकारी संस्था के संगठन सचिव प्रभाकर त्रिपाठी ने विज्ञप्ति के माध्यम से दी। यह बताते चले कि 9 जून 1942 को जन्में सरदार दर्शन सिंह विगत पांच दशकों से विभिन्न संस्थाओं से जुड़कर सामाजिक जीवन में निरंतर सक्रिय रहते हैं। इनमें रेडक्रॉस सोसायटी, अति प्राचीन रामलीला समिति, उ.प्र.उद्योग व्यापार मण्डल, परिवार परामर्श केन्द्र, वृद्धाश्रम,जनपद स्वास्थ्य समिति आदि प्रमुख हैं। सरदार दर्शन सिंह को 17 मार्च दिन रविवार को नगर के खजुरिया स्थित मैरेज हाल के सभागार में आयोजित संस्था के 39वें वार्षिक पुरस्कार वितरण एवं चेतना महोत्सव-2024 में अंगवस्त्रम्, स्मृति-चिह्न एवं सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता संस्था के संस्थापक अमरनाथ तिवारी अमर एवं

संचालन संगठन सचिव प्रभाकर त्रिपाठी ने किया। बैठक में संस्था के अध्यक्ष डॉ.रविनन्दन वर्मा, उपाध्यक्ष संजीव गुप्त, सचिव हीरा राम गुप्त, शशिकांत राय, आनन्द प्रकाश अग्रवाल, राजीव मिश्र, विन्ध्याचल यादव, हर्षित श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

युवा व खेल मंत्रालय के तत्वाधान में दो दिवसीय ब्लाक स्तरीय खेल प्रतियोगिता संपन्न

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। नेहरू युवा केंद्र युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय गाजीपुर के तत्वाधान में जनपद में चल रहे हैं दो दिवसीय ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतियोगिता के अंतर्गत 05झ06 मार्च 24 देवकली ब्लाक के खानकाह कला ग्राम में आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि तिलकधारी सिंह यादव, पंकज कुमार अनिल विश्वकर्मा अजय कुमार एवं अमीना खातून रही इस प्रतियोगिता में खो खो में प्रथम स्थान खान काह कला की टीम रही खो-खो में द्वितीय स्थान पचारा की टीम ने हासिल किया 100 मीटर की रेस में प्रथम स्थान आकाश प्रजापति द्वितीय स्थान प्रिंस कुमार ने और तृतीय स्थान पर अरमान रहे इस अवसर पर मुख्य अतिथि तिलकधारी सिंह यादव ने कहा नेहरू युवा केंद्र युवा कार्यक्रम खेल मंत्रालय इसी तरह की आयोजन से गांव की छुपी प्रतिभा को सामने लाया जा सकता है युवाओं में उत्साह और जोश भर देते हैं इस तरह के आयोजन से युवाओं को आगे बढ़ने का मौका मिलता है नेहरू या केंद्र गाजीपुर को धन्यवाद देते हुए युवाओं को उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं इस पूरे कार्यक्रम का संचालन देवकली ब्लाक के राष्ट्रीय स्वयंसेवक राहुल विश्वकर्मा ने किया।

कोषागार से पेंशन लेने वाले पेंशनर्स कृपया ध्यान दें, बनवाना होगा पेंशनर परिचय पत्र कार्ड

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। कोषागार निदेशालय उ0प्र0 द्वारा प्रदेश के कोषागारों से पेंशन अथवा पारिवारिक पेंशन प्राप्त करने वाले पेंशनर्स को पेंशनर परिचय पत्र कार्ड की सुविधा दिये जाने का निर्देश है, जिसके लिए प्रत्येक पेंशनर्स द्वारा कोषागार कार्यालय में निर्धारित प्रारूप पर अपने पेंशन प्राधिकार पत्र में अंकित अभिलेखानुसार अपनी व्यक्तिगत सूचना भरकर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर जमा किया जाना होगा। पेंशनर्स द्वारा अपनी स्वयं की एकल नवीनतम कलर पासपोर्ट साइज फोटो प्रारूप पर चस्पा किया जायेगा। पेंशनर्स द्वारा प्रारूप कोषागार कार्यालय में उपलब्ध कराये जाने के उपरांत उक्त सूचना का कोषागार द्वारा सत्यापन करने के पश्चात पेंशनर परिचय पत्र निर्गत किया जायेगा । कोषागार कार्यालय द्वारा पूर्व में निर्गत पेंशनर परिचय पत्र भी पूर्व की तरह मान्य है। साथ ही अवगत कराना है कि पेंशनर की मृत्यु की दशा में कार्यालय द्वारा निर्गत पेंशनर परिचय पत्र वापस करना होगा एवं परिचय पत्र खोने/नष्ट होने की दशा में रूपया 100/- शुल्क ट्रेजरी चालान द्वारा राजकोष में जमा करने के पश्चात दुसरा पेंशनर परिचय पत्र निर्गत किया जायेगा। परिचय पत्र में काट-पीट, अपरिलेखन तथा परिवर्तन वर्जित है। ऐसा करने पर पेंशनरपरिचय पत्र स्वतः अमान्य हो जायेगा । कोषागार से पेंशन स्थानातंरण की दशा में पेंशनर परिचय पत्र को कोषागार में वापस करना अनिवार्य होगा।

यातायात प्रभारी द्वारा जनमानस को यातायात के नियमों एवं सुरक्षा मानकों, मोडिफाई साइलेंसर के विरुद्ध अभियान चलाकर जागरुक किया गया

संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक जनपद संतकबीरनगर सत्यजीत गुप्ता के निर्देशन में प्रभारी यातायात परमहंस द्वारा मेंहदावल बायपास पर यातायात सुरक्षा के दृष्टिगत आज दिनांक 06.03.2024 को जनमानस को यातायात जागरुकता के नियमों के बारें में जागरुक करते हुए मोडिफाई साइलेंसर के विरुद्ध अभियान चलाकर आज मेहदावल बाईपास पर दो वाहनों का मोडिफाई साइलेंसर निकलवा कर साधारण साइलेंसर लगवाया गया तथा उन्हें मिठाई खिलाकर यातायात पुलिस द्वारा धन्यवाद दिया गया । यातायात पुलिस द्वारा वाहन चलाते समय तीन सवारी न बैठने, बिना नम्बर प्लेट लगी वाहन न चलाने, नशे की हालत में गाड़ी न चलाने, वाहन को ओवर स्पीड़ से न चलाने के साथ लोगों से अपील किया गया की वे अपने परिवार वालों एवं रिश्तेदारों तथा आसपास के लोगों को वाहन चलाते समय हेल्मेट व सीट बेल्ट के प्रयोग करने हेतु प्रेरित करने की भी अपील की गयी ।

सीएसआर फंड से हुआ विद्यालय का कायाकल्प

पिंडरा। पिंडरा ब्लॉक का प्राथमिक विद्यालय रोह भी स्मार्ट विद्यायल हुआ। उक्त स्कूल के छात्र सीएसआर फंड से लगे बड़े स्मार्ट से पढ़ाई करेंगे। रविवार को अम्बुजा सीमेंट व एचडीएफसी बैंक द्वारा सीएसआर फंड से उक्त विद्यालय का कायाकल्प करने के बाद हस्तांतरण प्रक्रिया के तहत हैंडओवर किया। जिसमें उक्त विद्यालय में स्मार्ट क्लास, लाइब्रेरी, शुद्ध पेयजल, खेल सामग्री, पाठ्यपुस्तक , टेबल बेंच समेत अनेक सुबिधाये होगी। इसके गांव में जैविक खेती, स्वास्थ्य व पेयजल की सुविधा ग्रामीणों को मुहैया कराया गया। कार्यक्रम के दौरान गांव में जैविक खेती करने वाले किसानों को सम्मानित किया गया। इस दौरान प्रोग्राम ऑफिसर दीनानाथ सिंह, अंशु सिंह, सुनील चौरसिया, सच्चिदानंद जूनियर, रविकान्त, सत्यप्रकाश , ममता, सुमन, ऋतु, अंजली समेत समेत अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जिले के सभी विकास खंडों में दिव्यांग जनों को शासन द्वारा मिलेंगे कृत्रिम पैर और हाथ

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग उ0प्रदेश द्वारा ऐसे दिव्यांगजन जिनके पैर एवं हाथ कटे हुए है उन्हे कृत्रिम पैर एवं हाथ लगवाकर लाभान्वित किया जाना है। कृत्रिम पैर घुटने से उपर से नीचे कृत्रिम हाथ कैलिपर लगाये जाने के सम्बन्ध मे विभाग द्वारा दिनांक 11 मार्च 24 से 15 मार्च 24 तक लगातार जनपद के समस्त विकास खण्ड मे चिन्हाकन एवं वितरण शिविरो का आयोजन प्रातः 11 बजे से सायं 04 बजे तक किया जायेगा। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी राम नगीना यादव ने बताया कि शिविर दिनांक 11 मार्च 2024 को विकास खण्ड बाराचवर, मुहम्मदाबाद, भॉवरकोल दिनांक 12 मार्च को कासिमाबाद, मरदह, बिरनो, दिनांक 13 मार्च को जमानियां, रेवतीपुर, भदौरा, दिनांक 14 मार्च सैदपुर, देवकली, करण्डा, दिनांक 15 मार्च को जखनियॉ, मनिहारी सादात एवं दिनांक 16 मार्च को विकास खण्ड सदर में शिविर का आयोजन किया जायेगा।

महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और समृद्धि में भाजपा समर्पित है : सुनील सिंह

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आज बुधवार को पं बंगाल के वरासात से सम्बोधित नारी शक्ति संवाद कार्यक्रम को बर्चुवल सजीव प्रसारण को विडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से पं दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत गठित स्वयं सहायता समूहों, ग्राम संगठनों, संकुल स्तरीय संघों के पदाधिकारीयों तथा सदस्यों, मिल्क उत्पादन कंपनियां तथा अन्य उत्पादक समूहों, एफ पी ओ, सखियों एवं विशेष रूप से लखपति बहनों के द्वारा भारतीय जनता पार्टी के सभी 34 मंडलों मे मंडल अध्यक्षों की उपस्थिति में सुना गया। गाजीपुर सदर ब्लाक के सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील सिंह ने कहा कि महिलाओं के सम्मान और उत्थान के लिए भारतीय जनता पार्टी सरकार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विगत 10 वर्षों से लगातार प्रयास किया गया है। जिसके परिणामस्वरूप आज यहां भारी संख्या में उपस्थित महिलाओं की आर्थिक समृद्धि के लिए सरकार द्वारा नियोजित विभिन्न योजनाओं से आज आधी आबादी लगातार आत्मनिर्भर हो रही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और समृद्धि में भारतीय जनता पार्टी सरकार समर्पित होकर काम कर रही है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी, पूर्व ब्लाक प्रमुख शशि पाल सिंह उर्फ घुरा सिंह, राजदेव यादव, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी शशिकांत शर्मा, गोपाल राय, अविनाश सिंह, दीपक सिंह, मुरली कुशवाहा, निखिल राय, आशा प्रजापति, सुनीता सिंह, कल्पना कुशवाहा सहित विभिन्न समूहों की महिलाएं बीसी सखी, विद्युत सखी सहित सामाजिक संस्थाओं की महिलाएं उपस्थित थी। संचालन खंड विकास अधिकारी कमलेश यादव ने किया। इसी प्रकार मरदह ब्लाक परिसर में आयोजित कार्यक्रम में भारी संख्या में उपस्थित स्वयं सहायता समूहो तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों की महिलाओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बर्चुवल सम्बोधन को सुना तथा समय समय पर उदबोधन से उत्साहित महिलाओं ने ताली बजाकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार धन्यवाद जताया।इस अवसर ब्लाक प्रमुख सीता सिंह की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष कृष्ण बिहारी राय ने कहा कि महिलाएं देश के विकास की महत्वपूर्ण कड़ी है, आज की महिला अब अबला नहीं बल्कि देश की बागडोर पकड़े एक जिम्मेदार कर्णधार है। उन्होंने कहा कि आज की महिला प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयास से घर के साथ साथ बाहर की जिम्मेदारी भी बखूबी निभा रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया नारी शक्ति वंदन, बिरनो मे हुआ वर्चुअल संवाद कार्यक्रम

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। बिरनो ब्लाक के प्रांगण मे वर्चुअल संवाद कार्यक्रम का आयोजन बुधवार को किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य विशाल सिंह चंचल के प्रतिनिधि डॉ प्रदीप पाठक और विशिष्ट अतिथि ब्लॉक प्रमुख राजन सिंह एवं जिला के भाजपा महामंत्री प्रवीण सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। सैकड़ो की संख्या मे आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। महिलाओं ने प्रधानमंत्री जी का समर्थन करते हुए कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों के माध्यम से अपना धन्यवाद ज्ञापित किया। वर्चुअल संवाद के दौरान प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी ने आज कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम एक व्यापक दृष्टिकोण वाला कानून है जो हमारे लोकतंत्र को मजबूत करेगा और भारतीय विधायिकाओं में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को मजबूत करेगा। संवाद कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा कि ये देश की महिलाओं की ताकत ही थी जिसने उन राजनीतिक दलों को नारी शक्ति वंदन अधिनियम का समर्थन करने के लिए मजबूर किया जो पहले इसका विरोध कर रहे थे। इस अवसर पर नारी शक्ति वंदन अभियान कार्यक्रम के संयोजक अभिषेक चतुर्वेदी, मंडल अध्यक्ष मन्नू राजभर, खंड विकास अधिकारी और सहायता समूह की महिलाओं सहित अनेकों लोग उपस्थित रहे।

इप्पसेफ व राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने 18 सूत्रीय मांगो को लेकर किया धरना प्रदर्शन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। बुधवार को इंडियन पब्लिक सर्विस एंप्लॉयीज फेडरेशन इप्पसेफ व राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश केआवाहन पर 18 सूत्रीय मांगों को लेकर के एक दिवसीय सत्याग्रह धरना प्रदर्शन मुख्य चिकित्सा अधिकारी के प्रांगण में किया गया, जो दोपहर 12 से दोपहर 2 तक चला और प्रधानमंत्री भारत सरकार, मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार, मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ, को जिलाधिकारी के प्रतिनिधि के सदर तहसीलदार लाल जी विश्वकर्मा माध्यम से ज्ञापन प्रेषित किया गया, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के मुख्य सलाहकार व कर्मचारी शिक्षक संयुक्त मोर्चा के जिला अध्यक्ष एस0पी0 गिरी द्वारा सभा को संबोधित करते हुए पुरानी पेंशन बहाली को लेकर के विस्तृत प्रकाश डाला और कर्मचारियों को एकजूट होकर के आंदोलन मजबूती प्रदान करने के लिए अपनी - अपनी आगामी आंदोलन में सहभागिता करने का अपील किया, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरविंद कुमार सिंह द्वारा निजीकरण आउटसोर्सिंग एवं ठेकेदारी व्यवस्था पूर्णता समाप्त किया जाए, और

नियमित कर्मचारियों की नियुक्ति की जाए, जिसमें जिसमें संविदा आउटसोर्सिंग वह अन्य माध्यमों से कार्यरत कर्मियों को सम्मान कार्य समान वेतन निर्धारण किया जाए, प्रदेश में सीधी भर्ती का अधिकतम आयु 40 वर्ष को दृष्टिगत रखते हुए एसीपी में 8-16-24 वर्ष की सेवा पर तीन पदोन्नति वेतनमान अनुमान किया जाए, लैब टेक्नीशियन के जनपद अध्यक्ष आलोक राय द्वारा सभा को संबोधित करते हुए,सरकार को चेतावनी दी की 50 वर्ष की सेवा पूर्ण कर चुके कर्मियों की स्क्रीनिंग के माध्यम से जबरन सेवा निवृत्ति को बंद किया जाए, उपार्जित अवकाश के संचय 300दिन की सीलिंग समाप्त करते हुए तथा सेवानिवृत्ति पर 300 दिन के अवकाश नगदी कारण को बढा करके 600 दिन किया जाए, इसके अतिरिक्त पूर्व में लागू नगदी कारण व्यवस्था को बहाल किया जाए,रोडवेज परिषद के जिला मंत्री जयप्रकाश सिंह द्वारा परिवहन निगम को लंबित समस्याओं के बारे में बृहद प्रकाश डाला और प्रमुख सचिव परिवहन व प्रबंधक निदेशक उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के साथ दिनांक 8 अप्रैल 18 को संपन्न समझौता अनुसार परिवहन निगम कर्मचारियों की वेतन भी संगतियों का निवारण 31 दिसंबर 2001 तक नियुक्त संविदा दैनिक वेतन भोगी कर्मियों का नियमित कारण व सेवानिवृत्ति उपरांत चिकित्सा सुविधा प्रदान करना एवं बकाया महंगाई भत्ते की किस्तों की देय दिनांक से भुगतान सहित अन्य निर्णय का अनुपालन किया जाए।

कंधिया फाटक निरीक्षण करने पहुंचे मुख्य प्रशासनिक अधिकारी रेलवे

भदोही। सालों से लटकी कंधिया फाटक ओवरब्रिज के निर्माण की उम्मीद जग गई है। एनएचआई को ओवरब्रिज निर्माण की जिम्मेदारी मिलने के बाद सोमवार की शाम मुख्य प्रशासनिक अधिकारी निर्माण रेलवे द्वितीय एसके सपरा कंधिया फाटक पर ओवरब्रिज निर्माण को कार्यदायी संस्था से जानकारी ली। कंधिया फाटक के पास रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण सालों से लटका हुआ था। पहले ओवरब्रिज का निर्माण रेलवे को किया जाना था। उस समय सड़क की चौड़ाई साढ़े सात मीटर तक थी। हालांकि मछलीशहर-जौनपुर-वाराणसी फोरलेन स्वीकृत होने के बाद इसके निर्माण की जिम्मेदारी एनएचआई को दी गई। एनएचआई को ओवरब्रिज निर्माण की जिम्मेदारी मिलने के बाद इसकी चौड़ाई 10 मीटर कर दी गई है। सोमवार को मुख्य प्रशासनिक अधिकारी निर्माण रेलवे द्वितीय एसके सपरा ओवरब्रिज निर्माण के कार्यदायी संस्था के ठेकेदार पीके सिंह के साथ वहां पहुंचे। पंजाब मेल के विशेष सैलून से भदोही रेलवे स्टेशन पर पहुंचने के बाद वे कार से कंधिया फाटक पहुंचे। जहां कार्यदायी संस्था के ठेकेदार से निर्माण कार्य को लेकर जानकारी हासिल की। इसके बाद वहीं से बनारस की ओर से रवाना हो गए।

सीडीओ ने किया मतदाता जागरूकता वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना, निकाली जागरूकता रैली

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भारतीय निर्वाचन आयोग की ओर से स्वीप कार्यक्रम के तहत जनपद गाजीपुर के रायफल क्लब सभागार व जिला निर्वाचन कार्यालय से मतदाता जागरूता वैन को मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार वैश्य ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान सीडीओ के नेतृत्व में जिला निर्वाचन कार्यालय से महुआबाग स्थित राजकीय गर्ल्स इंटर कॉलेज तक वैन के साथ रैली भी निकाली गई। जहां पर हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। इस अभियान में एसडीएम प्रखर उत्तम, डीआईओएस कैस्तुभ सिंह, अंतराष्ट्रीय खिलाड़ी अरबिंद शर्मा, सविता सिंह समेत तमाम अधिकारी कर्मचारी और शिक्षक व स्कूली छात्र-छत्राएँ मौजूद रहे। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार वैश्य ने कहा कि चुनाव आयोग से एक वैन मिला है। ये वैन जिले के कम प्रतिशत मतदान वाले विधानसभा मे मतदाताओं जागरूकता करने के लिए आज रवाना किया गया है। जो जमानिया, मोहम्मदाबाद और जहूराबाद विधानसभा में जाएगी। इसके माध्यम से मतदाताओं को जागरूक करने का काम किया जाएगा, हमलोगों का प्रयास है कि लोग ज्यादा से ज्यादा अपने मताधिकार का प्रयोग करे। इसबार मतदान 75 प्रतिशत के पार हो जिससे जनपद गाजीपुर का नाम रोशन हो सके।

पीजी कालेज राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों ने मिला मतदाता जागरूकता रैली

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। बुधवार को स्नातकोत्तर महाविद्यालय गाजीपुर के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ0 राघवेंद्र कुमार पाण्डेय के निर्देशन में राष्ट्रीय सेवा योजना की सभी इकाइयों द्वारा सप्त दिवसीय विशेष शिविर के चतुर्थ दिवस के दिन प्रथम सत्र में मतदाता जागरूकता अभियान पर रैली निकाली गयी' यह रैली स्नात्तकोत्तर महाविद्यालय गाजीपुर से प्रारम्भ होकर विकास भवन चौराहे एवं लंगरपुर ग्राम से होते हुए महाविद्यालय के परिसर में समाप्त हुआ ' द्वितीय सत्र में मतदान जागरूकता पर परिचर्चा भी की गयी जिसके अंतर्गत महाविद्यालय के प्रो0 एस0 एन0 सिंह ने कहा कि हर भारतीय को मतदान करने के अधिकार पर गर्व होना चाहिए, मतदान भविष्य का विधाता होता है। युवा मतदाताओं को युवा पीढ़ियों को मतदान के लिए

जागरूक करना चाहिए। मतदान से अपने योग्य उम्मीदवार को चयनित करें । उन्होंने कहा कि एक जिम्मेदार मतदाता ही सभी में जागरूकता ला सकता है। हमें वोट डालने का अधिकार है इसका हमें उपयोग करना चाहिए। मतदान के प्रतिशत को बढ़ाना भी हमारी एक बड़ी जिम्मेदारी है जिससे लोकतंत्र को और मजबूत बनाया जा सके। इस विशेष अवसर पर स्वयं सेवकों और स्वयं सेविकाओं ने रंगोली प्रतियोगिता में भाग लिया। इस अवसर पर प्रो0 डा0 एस0 एन0 सिंह , वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ एस एस यादव, कार्यक्रम अधिकारी डा0 रुचि मूर्ति सिंह, डा0 त्रिनाथ मिश्र एवं धर्मेन्द्र और सहायक कर्मचारी श्री राम प्रवेश एवं नीरज सिंह उपस्थित रहे।

विशेष लोक अदालत व 9 मार्च को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार वाहन को जनपद न्यायाधीश ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

मीरजापुर। जनपद न्यायाधीश अनमोल पाल, प्रधान न्यायाधीश/जनपद न्यायाधीश, परिवार न्यायालय राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव, एवं अपर जिला जज / नोडल अधिकारी (रा०लो०अ०) वायु नन्दन मिश्र, अपर जिला जज/सचिव डीएलएसए लाल बाबू यादव, इण्डियन बैंक के मुख्य प्रबन्धक पुनीत मिश्रा. व इण्डियन बैंक लॉ आफिसर ज्योति कुमार रतन, बैंक वरिष्ठ अधिवक्ता बद्री विशाल ने संयुक्त रूप से 09 मार्च 2024 दिन शनिवार को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक लोन मामलों / वैवाहिक प्री-लिटिगेशन मामलों तथा न्यायालय के मुकदमों के निस्तारण से सम्बन्धित होने वाले लाभ की जानकारी आम जनमानस को होने के सम्बन्ध में दीवानी न्यायालय परिसर मीरजापुर से प्रचार वाहन को हरी झड़ी दिखाकर रवाना किये। जनपद न्यायाधीश अनमोल पाल ने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली तथा उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशन पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मीरजापुर के तत्वावधानमें दीवानी न्यायालय

परिसर मीरजापुर, वाह्य न्यायालय चुनार, ग्राम न्यायालय मड़िहान व लालगंज एवं राजस्व विभाग/प्रशासनिक विभागों से सम्बन्धित अपर जिलाधिकारी (वि०रा०), अपर जिलाधिकारी (भूरा.), नगर पालिका परिषद, चकबन्दी विभाग, वन विभाग, जिलापूर्ति विभाग, सम्भागीय परिवहन विभाग, श्रम विभाग एवं समस्त राजस्व के न्यायालयों में 09 मार्च, 2024 दिन शनिवार को समय पूर्वान्ह 10.00 बजे से राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। लोक अदालत में दीवानी व राजस्व न्यायालयों में लम्बित मुकदमों एवं वैवाहिक प्री-लिटिगेशन मामलों को अधिक से अधिक संख्या में निस्तारण कराने का प्रयास किया जायेगा। साथ ही उन्होने बताया गया कि ई-चालान एवं लघु आपराधिक मुकदमों के निस्तारण हेतु प्रावधानित सरल पेटी अफॅन्स डिपाजिट योजना के तहत वादकारी घारा-206 सपठित धारा 253 द०प्र०सं. के अन्तर्गत अपने चालान का जुमार्ना सरल पेटी अफेंस डिपाजिट खाता सं0 34906170085 भारतीय स्टेट बैंक डंकीनगंज मीरजापुर में स्वंय उपस्थित होकर अथवा ऑन लाईन जमा कर सकते है और प्री-लिटिगेशन वैवाहिक विवादों में पति पत्नी के विवाद के निस्तारण हेतु जानकारी देते हुए कहा कि पीड़ित / पीड़िता आवेदक द्वारा विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय में प्रार्थना पत्र देने पर परिवार न्यायाधीश एवं मध्यस्थगण द्वारा पक्षकारो को बुलाकर, समझौता के माध्यम से समाधान कराकर लोक अदालत में निर्णय पारित किया जायेगा। लोक अदालत में पारित निर्णय अन्तिम होता है एवं इसकी अन्य न्यायालय में अपील नहीं होती है। प्रधान न्यायाधीश/जनपद न्यायाधीश परिवार न्यायालय राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव ने बताया कि न्यायालय में लम्बित वैवाहिक विवादो एवं प्री-लिटीगेशन वैवाहिक मामलों का निस्तारण मध्यस्थगतण के सहयोग से आपसी सुलह-समझौता के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा मुकदमों / मामलों का निस्तारण कराया जाता है। उन्होने पक्षकारों से अपील करते हुए कहा कि वह आपसी सुलह समझौते के आधार पर अपने-अपने मुकदमें / मामलों के निस्तारण हेतु सम्बन्धित परिवार न्यायालय / डीएलएलएस कार्यालय में अविलम्ब प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर सकते है और मुकदमों / मामलों का निस्तारण करा कर लाभ उठा सकते है।

खरी खरी

मनीषा

स्त्री की खोपड़ी में आखिर है क्या

महिला दिवस पर अमूमन औरतों पर हो रहे अत्याचारों, शोषण और भेदभाव की स्यापा किया जाता है। साल दर साल हम रिवाजों की तरह महिलाओं के इस खास दिन का स्वागत करते हैं। कुछ ही औरतें इसकी बातें करती हैं, जबकि तमाम औरतें अब सोशल साइटों में मैसेज फॉरवर्ड कर हाथ झाड़ लेंगी। जिन्हें औरतों के अधिकारों से रत्ती भर फर्क नहीं पड़ता, वे सब भी वाट्सएप ग्रुपों और परिचितों को महिला दिवस की शुभकामनाएं देने की रस्में निभाते हुए इधर का मैसेज उधर दिन फॉरवर्ड करेंगे। हम औरतों के अधिकारों की बजाए बात करेंगे औरतों के दिमाग की। जिसे लेकर साइंसदां परेशान हैं। दशकों से स्त्री और पुरुष के दिमाग में फर्क है या नहीं, इसे लेकर विज्ञान उलझा हुआ है। बीते हफ्ते, स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी का पर्चा आया। जिसने एआई यानी आर्टीफिशल इंटेलिजेंस के मार्फत इसे पुनः समझने का काम किया। जो कह रहा है, औरतों का दिमाग बिल्कुल अलग जेनेटिक स्ट्रक्चर वाला होता है। पुरुषों के दिमाग के हर सेल का निर्माण वाई क्रोमोजोम्स से होता है। जबकि मादा दिमाग में इनकी कोई धारणा ही नहीं है। इसलिए कह सकते हैं, बेसिक जेनेटिक स्ट्रक्चर ही अलग है। हालांकि यह स्वीकार रहा है कि औरतों को इस वजह से कोई परेशानी नहीं होती। यह बुनियादी सवाल है और जरूरी भी। औरतों को खुद से कमतर समझने/जतलाने वाले पुरुषों को यह समझाना काफी जरूरी है कि औरतों का दिमाग भी वैसे ही काम करता है, जैसे विद्वान पुरुषों का। यह सच है कि समाज में औरतों और पुरुषों के अलग-अलग रोल्स हैं, अलग रुचियां हैं, कार्यक्षेत्र अलग हैं। चूंकि यह व्यवस्था प्राकृतिक नहीं है। यह तो समाज द्वारा तय किया गया है कि औरतें अमुक-तमुक काम करेंगी तथा पुरुषों के जिम्मे दूसरे काम हैं। दोनों का स्वरूप बिल्कुल भिन्न है। वैज्ञानिक कह रहे है, ऐसा इसलिए है क्योंकि दोनों की दिमागी बनावट फर्क है। देह तो अलग है ही। खोपड़ी की बाहरी बनावट के अनुरूप स्पष्ट झलकता है कि पुरुष का दिमाग स्त्री की बनिस्पद औसत रूप से बड़ा और वजनी है। जिसे पांच आउंस तक कहा जाता है। जो पुरुषों में कथित तौर पर बेहतर क्षमताओं का जिम्मेदार है। दरअसल, बड़ी देह को संचालित करने के लिए ज्यादा दिमागी टिशू चाहिए। यह फर्क जानवरों में भी दिखता है।

> औरतों के हिप्पोकैम्पस में ग्रे मैटर ज्यादा होता है। जो उनकी याददाश्त को बढाता है। बाई तरफ का जो हिस्सा वार्तालाप को बेहतर करती है। सामाजिकता को बढाता है। उन्हें व्यावहारिक बनाता है। यही कारण है औरतें भावनाओं को बेहतर समझती हैं। वे भावनाओं को व्यक्त करने में पुरुषों के बनिस्पद ज्यादा सही मानी जाती हैं। लेकिन जब बात लैंगिक विषमता की होती है, खासकर दैहिक तौर पर तो बार-बार सुई उसी पुरानी जगह अटक जाती है।

1990 की ब्रेन स्कैनिंग टेक्नोलॉजी आने के बाद यह और विवादाग्रस्त होता चला गया। जिसने अलग-अलग लिंग के दिमाग के आकार व बनावट भिन्न थे। औरतें ज्यादा दयालू होती हैं, जबकि पुरुष इंजीनियरिंग में रुचि रखते हैं। कहा तो यह भी गया कि ब्रेन स्कैनिंग रिपोर्टो को दाल में नमक के बराबर माना जाना चाहिए। रोजालिंड फ्रैंकलिन यूनीवर्सिटी की लिज इलियट कहती हैं- जैसे ही आप दिमाग के साइज पर बात करेंगे, तुरंत हर किसी की अलग स्ट्रक्चर पर बात अटक जाएगी। दरअसल ब्रेन स्कैनिंग से तो अस्तित्व का संकट ही खड़ा हो गया। 2022 में किये विश्लेषण में पाया कि इसे विश्वसनीय बनाने के लिए हजारों लोगों के दिमाग को समझना जरूरी है। जबकि यह कुछ दर्जन लोगों पर ही की जा रही है। इसे पारलिंगियों यानी तीसरे लिंग पर करने की जरूरत भी है। इलियट कहती हैं- बहुत बड़ी रिसर्च, जो यूकेबॉयो बैंक के पास है, में चालीस हजार लोगों के दिमाग के स्कैन हैं। जो लैंगिक आधार पर हैं। साइज अलग होने व स्ट्रक्चर के मसले में यह भिन्न हैं। पुरुषों में तीन रीजन बड़े हैं लेकिन ये अंतर बहुत मामूली हैं। सिर्फ कुछ फीसद। कुछ मानते हैं कि बदलाव केवल इसलिए है क्योंकि समाज में कार्य लिंग के आधार पर बंटा है, इसका कोई अन्य कारण नहीं हैं। जाहिर है, पीढियों से जो काम औरतों के जिम्मे डाल दिये गये हैं, उनका गहरा असर उनकी दिमागी संरचना पर पड़ता गया होगा। बच्चे पालना, परिवार संभालना, घरेलू जिम्मेदारियां औरतों पर हैं। वे बैंक में बैठी जोड़-घटाना कर रही हों या छुरी हाथ में लिये सर्जरी में जुटी हों , रॉकिट उड़ा रही हों या सैनिक यूनिफॉर्म में हों, उनके भीतर औरत वाली कोमलता हर क्षण मौजूद होगी। भीतर की बनावट बाहरी आचार-व्यवहार से अछूती नहीं रह सकती। जब ये अध्ययन औरतों/मर्दों में किये जा रहे हैं तो इन्हें अलग-अलग तरह के काम करने वाले पुरुषों पर भी करना जरूरी है। मसलन पीढियों से चिकित्सक, वकील या मुनीम रहे पुरुषों के दिमाग की बनावट जांची जाए। जो पुरुष कब्र खोदते हैं, कसाई रहे हैं या बावर्ची हैं लगातार कई पुश्तों से। यदि उनके दिमाग को गहराई से पढा जाए तो हो सकता है स्त्री के दिमाग से उसकी तुलना करने में बेहतर मदद मिल सके। हालांकि न्यूरोसाईंटिस्ट कहते हैं- बहुत थोड़ा सा अंतर है, पर वे यह भी स्पष्ट करते हैं कि हमें यह नहीं मालूम कि वह महत्वपूर्ण है या नहीं। 2015 में तेल अवीव यूनिवर्सिटी ने पुरुषों व औरतों के दिमाग की तुलना चौदह सौ एमआरआई स्कैन के मार्फत से की। उन्होंने दिमाग में मौजूद ग्रे मैटर की जगह व भार को गहराई से जांचा। यह विचार करने वाला पदार्थ कहलाता है। इसके साथ ही साढे पांच हजार लोगों के बर्ताव व व्यक्तित्व को भी जांचा गया। औरतों के काम, फोन पर उनका बतियाना, मां से जुड़ाव, स्क्रैप बुक सरीखी चीजें बनाना व पुरुषों के गोल्फ खेलना, वीडियो गेम्स, जुआड़ीपन को खांगाला। पर अंततः उन्होंने 98% लिंग प्रोफाइल में फिट नहीं पाये।

विश्वसनीय तौर पर व मजबूती से खंगालने पर कि दोनों के दिमागों में फर्क है, मुश्किल होता गया। बावजूद इसके वैज्ञानिक तरह-तरह से प्रयोग करने में जुटे हुए हैं। 20 से 35 साल की उम्र के दरम्यान वाले पंद्रह सौ नवजवानों पर एक अध्ययन किया गया। उनके दिमाग पर असर का बेहतरीन नतीजे पाये। उन्होंने कहा, यह नहीं कहा जा सकता कि क्या निर्धारित करेगा कि कैसे हमारा दिमाग सभी संस्कृतियों व दैहिक संरचना में समान काम करता है। दरअसल दिमाग पर लैंगिक असर होता है पर अध्ययन में युवा पुरुष वयस्कों से वयस्क नवयुवतियों का मस्तिष्क कैसे काम करता है या यह भेद कहां से आया, पकड़ में ही नहीं आया। इवल्यूशनरी साइकोलॉजिस्ट डेविड सी गिएरी ने बीते माह कहा- इन अध्ययनों को देखते हुए कह सकते हैं कि पॉलिसी बनाने को तुरत लैंगिक विभेद मिटाने जैसे कदम उठाने की जरूरत है, यदि वही इस महत्वपूर्ण जैविक योगदान के लिए जिम्मेदार हैं। लैंगिक समानता की दिखावटी बातों में विरोधाभाष है। फिर से पाया गया पुरुषों में मोटर व स्थानिक कुशलता का जुड़ाव दिखा। उनके हाथ व आंखों का जुड़ाव बेहतर काम करता है, चीज सटीक कहां पहुंचेगी, जैसे गेंद या कील ठोंकना, वे बेहतर बाते हैं। साथ ही यह भी कि पुरुषों का दिमाग 10% बड़ा होता है। पर इस पर नयी बहस हो सकती है कि बड़ा हमेशा बेहतर नहीं होता। औरतों के हिप्पोकैम्पस में ग्रे मैटर ज्यादा होता है। जो उनकी याददाश्त को बढाता है। बाई तरफ का जो हिस्सा वार्तालाप को बेहतर करती है। सामाजिकता को बढाता है। उन्हें व्यावहारिक बनाता है। यही कारण है औरतें भावनाओं को बेहतर समझती हैं। वे भावनाओं को व्यक्त करने में पुरुषों के बनिस्पद ज्यादा सही मानी जाती हैं। लेकिन जब बात लैंगिक विषमता की होती है, खासकर दैहिक तौर पर तो बार-बार सुई पुरानी जगह अटक जाती है। जबकि हमें कम से कम दिमाग के बारे में स्त्री/पुरुष के विभाजनों को रोकने का काम करना चालू करना चाहिए। यह बड़ी बहस का मसला हो सकता है। विज्ञान की बात हो या देह के भीतरी अंगों के काम की चर्चा, लिंग के आधार पर विभाजन पूर्वाग्रहों से भरा ज्यादा लगता है। सदियों से उठ रहे सवालों ने उलझनें ज्यादा बढाई हैं। कहूं तो यह स्त्री के दिमाग को कमतर करने की साजिश का नतीजा हो सकता है, जिसका खुलासा अंततः औरतों को ही करना होगा। ■

बीमे के लिए सांप से कटवाया

यही है जिंदगी

■ क्षमा शर्मा

छत्तीसगढ़ के कांकेर में नानी ने एक करोड़ दो लाख रुपए का बीमा कराया था। उसके नाती को यह बात पता थी। नाती बीमा एजेंट से मिल गया। फिर उसने संपेरे को खोजा। एक दिन नानी को वह किसी बहाने से संपेरे के डेरे पर ले गया। वहां संपेरे ने बहुत जहरीले सांप से नानी को कटवा दिया। इसके लिए नाती ने संपेरे को तीस हजार रुपए भी दिए। नाती, नानी को लेकर घर आ गया। वहां नानी की मौत हो गई। नाती ने बीमा एजेंट के साथ मिलकर नानी की मौत के बदले में बीमा का भुगतान ले लिया। रिश्ते में नानी लगने वाली स्त्री का नाम रानी पठारिया था और उसे नाती का नाम आकाश पठारिया। रानी पठारिया की मौत मई तेईस में हुई थी और उसके नाती आकाश पठारिया को करोड़ रुपए, नवम्बर तेईस में भुगतान कर दिए गए।

यह मामला भी सामने न आ पाता, अगर रानी पठारिया के भतीजे को

शक न हुआ होता। उसने हाल ही में पुलिस से इस बात की शिकायत की और कहा कि उसे रानी पठारिया की हत्या का शक है। पुलिस ने जांच की तो हत्या की बात सही साबित हुई। अब आकाश पठारिया, बीमा एजेंट और सपेरे को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस तरह नौ महीने बाद इस हत्याकांड का रहस्य खुला। जिस नानी नाती के सम्बंध इतने ममतापूर्ण होते है, वहां पैसे के लिए नानी की हत्या का ऐसा भयावह षडयंत्र। आखिर रिश्तों में इतनी गिरावट आती कैसे जा रही है। फिर इस तरह के अपराध करने वाले न जाने क्यों ऐसा सोचते है कि वे कुछ भी करें, कभी पकड़े नही जाएंगे। वे हमेशा जांच एजेंसियों और कानून से बच जाएंगे। हाल ही में उत्तर प्रदेश में छोटे भाई ने बड़े भाई की सोते समय लोहे की राड मारकर हत्या कर दी। कारण था कि बड़ा भाई छोटे भाई से पढ़ने में होशियार था। घरवाले हमेशा बड़े भाई का उदाहरण देकर छोटे भाई को नीचा दिखाते रहते थे। तो छोटे भाई को सबसे सरल उपाय यही लगा कि बड़े भाई को खत्म कर दे, फिर कोई ऐसा नहीं रहेगा कि उसे छोटा किया जा सके, नीचा दिखाया जा सके। वह भूल गया कि अपराध करेगा तो सजा भी मिलेगी। उन माता-पिता पर क्या गुजर रही होगी, जिनका एक बेटा मर गया और दूसरा हत्या के आरोप में जेल चला गया। एक तरफ लालच के लिए रिश्तों का कत्ल और हत्या, दूसरी तरफ अपमान का बदला लेने के लिए भाई को मारना।

आजकल हर रोज ऐसी खबरें दिखाई देती है। लोग अपने गुस्से पर काबू नही रख पाते और वे हत्या जैसे अपराध को करने से नही चूकते। आखिर हमारा समाज इस कदर लालच और क्रोध से क्यों भरा है कि अच्छे-बुरे की पहचान करना भी भूल गया। बाहर वालों और घर के लोगों के साथ अपराध करने लगा। एंगर मैनेजमेंट की बहुत बातें की जाती है लेकिन जमीनी स्तर पर देखें तो लोग इतने क्रोध में नजर आते है कि मार-पीट, हत्या मामूली बातें हो चली है। जिस उम्र में अपने भविष्य के बारे में सोचना चाहिए उस उम्र में ऐसे अपराध करके भला कोई क्या पाता है, सिवाय अपना जीवन नष्ट करने के। क्रोध, तनाव, अवसाद मानिसक स्वास्थ्य से जुड़ी बातें है मगर अपने यहां मानिसक स्वास्थ्य हंसने की चीज है। डिप्रेशन के मरीज को कोई भी पागल कहकर चलता बनता है। जबकि दिमाग भी शरीर का वैसा ही अंग है जैसे कि दिल या फेफड़े, या हाथ-पांव। जब इन अंगों में तकलीफ हो जाती है तो हम इलाज कराते है लेकिन दिमाग का इलाज और मेंटल हेल्थ हमारे यहां सबसे उपेक्षित विषय है। ■

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर विशेष

महिलाओं के ही कंधे पर न डालें परिवार नियोजन का भार

■ मुकेश कुमार शर्मा

महिलाओं के समान अधिकार एवं समग्र विकास के साथ ही यह नारी शक्ति के वंदन का ही परिणाम है कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में अपना परचम फहरा रही है। परिवार से लेकर देश की सीमा की रक्षा तक में उनका अतुलनीय योगदान है। महिलाओं को हर क्षेत्र में समानता और स्वतंत्रता का अधिकार दिलाने के प्रति जागरूकता के लिए ही हर साल आठ मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। इसके बाद भी आज परिवार की असली खुशहाली से लेकर कई ऐसे मुकाम है, जहाँ पुरुषों को ज्यादा जिम्मेदारी निभानी होगी ताकि पूरी जिम्मेदारी महिलाओं के ही कंधे पर न आने पाए । हम बात कर रहे है परिवार नियोजन जैसी बड़ी जिम्मेदारी की, जिसमें सही मायने में खुद के साथ आने वाली पीढ़ी की खुशहाली का राज छिपा हुआ है तथा यह समाज एवं देश के विकास से भी संबद्ध है।

शादी के पवित्र बंधन में बंधने के साथ ही महिला व पुरुष पहली बार पति-पत्नी के रूप में होते है। यही वह समय होता है, जब दोनों को अच्छी तरह से विचार-विमर्श कर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वह कम से कम दो साल बाद ही पहली बार माता-पिता बनें। इस दौरान दोनों एक-दूसरे को भलीभांति समझ सकेंगे और बच्चे के बेहतर लालन-पालन के लिए जरूरी पूँजी भी जुटा सकेंगे। उनकी इस योजना को साकार करने के लिए ही सरकार द्वारा शादी के तुरंत बाद आशा दीदी के माध्यम से उन तक शगुन किट यानि पहल किट का उपहार पहुंचाया जाता है और नियोजित परिवार के बड़े फायदे भी बताये जाते है। इस किट में गर्भ निरोधक साधन जैसे- कंडोम, गर्भ निरोधक गोलियों के साथ ही सौन्दर्य प्रसाधन की सामग्री भी होती है। अब यहाँ पर जरूरी है कि पुरुष भी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए गर्भनिरोधक साधन को अपनाएँ न कि केवल यह कहकर पल्ला झाड़ लें कि यह तो केवल महिलाओं की जिम्मेदारी है। इसके अलावा मातृ एवं शिशु के बेहतर स्वास्थ्य के लिहाज से भी दो बच्चों के जन्म के बीच कम से कम तीन साल का अंतर अवश्य रखना चाहिए। उससे पहले दूसरे गर्भ को धारण करने योग्य महिला का शरीर नही बन पाता और पहले बच्चे के उचित पोषण और स्वास्थ्य के लिहाज से भी यह बहुत जरूरी होता है। इसके लिए भी त्रैमासिक गर्भनिरोधक इंजेक्शन अंतरा के साथ ही प्रसव के तुरंत बाद अपनाई जाने वाली पोस्ट पार्टम इंट्रायूट्राइन कंट्रासेप्टिव डिवाइस (पीपीआईयूसीडी) की भी सुविधा उपलब्ध है, जो पाँच से लेकर दस साल तक अनचाहे गर्भ से छुटकारा दिला सकती है। पुरुष इसमें भी कंडोम जैसी आसान और सुलभ सुविधा को अपनाकर महिलाओं के सच्चे मददगार बन सकते है। परिवार नियोजन के इन तमाम अस्थायी साधनों की मौजूदगी के बाद भी अनचाहा गर्भधारण करना फिर गर्भपात का जोखिम भरा रास्ता अख्तियार करना न तो पुरुष और न ही महिला व परिवार की भलाई में है। इससे महिला के स्वास्थ्य को भी खतरा रहता है। ऐसे में पुरुष वर्ग भी परिवार नियोजन के साधनों को अपनाने में अपनी जिम्मेदारी का ईमानदारी से निर्वहन करते हुए महिलाओं को खुशहाल जीवन प्रदान करने में सहायक बन सकते है।

परिवार पूरा होने के बाद पुरुष नसबंदी जैसी आसान सुविधा को अपनाने में पुरुष वर्ग दशकों से निचले पायदान से ऊपर नही उठ सका है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे -5 (एनएफएचएस) के आंकड़े बताते है कि परिवार पूरा होने के बाद नसबंदी की सेवा अपनाने वाले पुरुषों की तादाद करीब एक फीसद है, जबकि शारीरिक बनावट के मुताबिक़ महिला नसबंदी की अपेक्षा पुरु ष नसबंदी बेहद सरल और सुरक्षित है। इसमें महज कुछ मिनट लगते है। नसबंदी के दो-तीन दिन बाद पुरुष अपने काम पर आराम से जा सकते है, जबकि महिलाओं को कम से कम एक हफ्ते तक पूरी तरह से आराम की जरूरत होती है। इसलिए पुरुष यह न सोचें कि परिवार नियोजन या परिवार की सेहत का ख्याल रखना सिर्फऔर सिर्फमहिलाओं का काम है। इसमें वह बराबर की जिम्मेदारी निभाएं और परिवार को स्वस्थ व खुशहाल बनाने में भागीदार बनें। वास्तव में यह सिर्फपुरुषों की भागीदारी ही नहीं बल्कि सही मायने में नारी शक्ति के वंदन का प्रयास भी है । ■

(लेखक पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल-इंडिया के एक्जेक्युटिव डायरेक्टर है)

सिंघाड़ा कबाब

अनिता घोष

सामग्री- सिंघाड़े का आटा 200 ग्राम, कच्चे केले 4, एक टुकड़ा अदरक कद्दूकस किया हुआ, धनिया पाउडर एक चम्मच, लाल मिर्च पाउडर एक चम्मच, छोटी इलायची पीसी हुई आधा चम्मच, नींबू का रस एक चम्मच, हरी मिर्च 2-3 कटा हूआ, हरी धनिया एक चम्मच, सेंधा नमक स्वादानुसार, तलने के लिए घी।

विधि- सबसे पहले केले को उबाल लें। अब उबले हुए केले को छील कर एक बाउल में रखें। केले को मैश कर लें। अब इसमें अदरक, इलायची पाउडर डाल का अच्छी तरह मैश कर लें। अब इसमें सिंघाड़े का आटा, धनिया पाउडर, हरी मिर्च, हरा धनिया,लाल मिर्च पाउडर, नींबू का रस, और सेंधा नमक डाल कर अच्छी तरह गूंथ लें। अब गूंथे हुए मिश्रण से गोल गोल लोई को समान रूप में काट लें। अब बचे हुए सिंघाड़े के आटे से लपेट कर मनचाहा आकार के कबाब बना लें। गैस पर कढ़ाही रखें। कढ़ाही गरम हो जाने के बाद घी गरम करें। घी गरम हो जाने के बाद एक साथ 3-4 कबाब डाले। मीडियम आंच पर सभी कबाब को सुनहरा होने तक उलट-पूलट कर तलें। तलें हुए सिंघाड़ा कबाब को प्लेट में निकाल कर सजाएं। हरी चटनी या दही के साथ के साथ सर्व करें।

रागी का हलवा

सामग्री-एक कप भूना हुआ रागी आटा, एक कप घी, आधा कप चीनी, एक कप मिल्क मेड, 2 कप दूध, एक छोटा चम्मच इलायची पाउडर, 2 चम्मच बारीक कटे बादाम-पिस्ता, एक चम्मच किशमिश।

विधि-सबसे पहले आटे को कड़ाही में सुनहरा होने तक भूने। भूने हुए आटे को प्लेट में रखकर ठंडा होने दें। कढ़ाही में घी डालकर गरम करें। घी गरम हो जाने के बाद भुना हुआ आटा डालें। रंग बदलने तक कड़छी चलाते रहें। इसके बाद दूध डालें। घीमी आंच पर चलाते हुए पकाएं। जब दूध सूख जाए तो इसमें मिल्क मेड, चीनी और इलायची पाउडर मिलाएं। थोड़ी देर तक पकाएं। जब मिल्कमेड भी सूख जाए तो आंच बंद कर दें। तैयार हो गया स्वादिष्ट शाही रागी आटा का हलवा। हलवे को बादाम किशमिश और पिस्ता से सजाकर गरमा-गरम पेश करें।

समा खिचड़ी

सामग्री- एक कप समा, आलू 2, तेजपत्ता 2, एक चम्मच पीसी इलायची, पनीर 100 ग्राम कटा हुआ, मूंगफली के दाने एक कप, जीरा एक चम्मच, हरी मिर्च 2 बारीक कटी हुई, हींग एक चुटकी, अदरक एक इंच कद्दूकस किया हुआ, नारियल कद्दूकस किया हुआ, घी बड़े चम्मच, हरा धनिया एक कप कटा हुआ, नमक स्वादानुसार।

विधि- समा को धो कर एक घंटे के लिए पानी में भिगो दें। सामा अच्छे से भीग जाने पर पानी निकाल दें। अब आलू को छीलकर छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। मीडियम आंच पर कढ़ाही में घी डाल कर उसे गरम कर लें। घी गरम होने पर कटे हुए आलू डाल कर तल लें। इसके बाद कटे हुए पनीर भी तल के अलग प्लेट में रख लें। अब बचे हुए घी में जीरा, हींग और तेजपत्ता का तड़का लगाएं। जीरा चटकाने के बाद हरी मिर्च और कद्दूकस किया हुआ अदरक डालकर दो मिनट तक भूनें। अब समा, मूंगदाल, मूंगफली, नमक भी कढ़ाही में डाल कर भूनें। दो कप पानी डालकर कढ़ाही को ढंक दें। दस मिनट तक पकाएं। दस मिनट बाद ढक्कन खोलकर देखें यदि समा न पके तो फिर उसमें पानी डालें। अच्छे से पक जाने के बाद उपर से दो-तीन चम्मच घी पीसी इलायची, कद्दूकस किया हुआ नारियल, तला हुआ आलू और पनीर डाल कर एक दो मिनट तक पकाएं। तैयार हो गया साम खिचड़ी। धनिया पत्ता से सजाकर गरमा-गरम व्रत दही के साथ व्रत में खाएं और खिलाएं।

टैरो

ऋचा श्रीवास्तव

(6 मार्च-12 मार्च)

मेष -(21मार्च -20अप्रैल)- कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। व्यर्थ की यात्राओं से व्यय अधिक होगा। भाई बेहनि में किसी बात को लेकर मन मुटाओ की आशंका है। वाँछित परिणाम प्राप्त करने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है। दाम्पत्य जीवन में उतार चढाव बना रहेगा। नयी आर्थिक निवेश से इस समय बचना चाहिए अन्यथा भविष्य में नुकसान झेलना पड़ सकता है। विद्यार्थियों को विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

वृषभ -(21अप्रैल -21मई)- मध्यम फलदायी रहेगा, महत्वपूर्ण कार्यो को उत्साह के साथ संपन्न करने की कोशिश करेंगे लेकिन आशा अनुरूप सफलता प्राप्त नही हो पायेगी। आर्थिक दृष्टि से सामान्य रहेगा। धैर्य रखें, समय आने पर मेहनत का फल मिलेगा। जीवन साथी के साथ किसी बात पर वाद विवाद हो सकता है, बोलने में सावधानी बरतें। साझेदारी में कोई भी नया काम करने में किसी प्रकार की जल्दबाजी ना करें।

मिथुन -(22मई - 21जून)- उत्साह बढ़ा चढ़ा रहेगा। मित्रों एवं पारिवारिक सदस्यों से सम्बन्ध मधुर रहेंगे। परिवार में कोई मांगलिक कार्य अथवा उत्सव हो सकता है। धर्म और आध्यात्म की ओर भी रुझान बढ़ेगा। तीर्थ यात्रा या किसी धार्मिक आयोजन में सम्मिलित हो सकते है। नौकरी पेशा जातकों को शुभ अवसर मिलेंगे। पति पत्नी के बीच वैमनस्य दूर होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

कर्क-(22जून -22जुलाई)- कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय लेने से बचें। मिश्रित फलदायी रहेगा। गुस्से की वृद्धि हो सकती है। किसी कार्य के ना बन पाने की वजह से स्वाभाव चिड़चिड़ा हो सकता है। वाणी पर संयम रखें। निवेश से बचें अन्यथा हानि उठानी पड़ सकती है। यात्रा करनी पड़ सकती है। जो मनोरंजन के उद्देश्य से रहेगी।

सिंह -(23जुलाई -21अगस्त)- अत्यंत आत्मविश्वास से भरा हुआ रहेग। जिससे लाभ होगा। मजबूत सख्त ओर लचीला बने रहने के लिए प्रोत्साहित करता है। महत्वपूर्ण कार्यो में जीवन साथी की सलाह लेकर कार्य करना लाभदायक सिद्ध होगा। पारिवारिक सुख समृद्धि उत्तम रहेगी और आर्थिक दृष्टि से समय अनुकूल है। नौकरी पेशा वर्ग के जातकों को यात्रा करनी पड़ सकती है।

कन्या -(22अगस्त -23सितम्बर)- आर्थिक संसाधनों में वृद्धि होगी। ऑफिस या कार्यस्थल पर सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। सामाजिक एवं व्यावहारिक स्थिति में सुधार होगा। दांपत्य जीवन में भी वातावरण सकारात्मक रहेगा। जोखिम भरे कार्यो से बचने की सलाह दी जाती है। संतान पक्ष से मनोवांछित सहयोग प्राप्त होगा। विवाह का योग बन रहा है। साझेदारी में नया काम शुरू न करें और जल्दबाजी में भी कोई निर्णय ना लें।

तुला -(24 सितम्बर 23अक्टोबर)- उत्तम फलदायक रहेगा। स्वास्थ की दृष्टि समय अनुकूल है। पुराने रोगों से राहत मिलेगी। महत्वपूर्ण निर्णय लेने में कोई समस्या नहीं आएगी। सभी निर्णय लाभदायक रहेंगे। पैतृक सम्पत्ति के लाभ की सम्भावना है। परिवार में सुख समृद्धि बनी रहेगी और दाम्पत्य जीवन भी मधुर बना रहेगा। नौकरी पेशा वर्ग के लिए उन्नति भरा होगा।

वृश्चिक - (24अक्टूबर - 22नवम्बर)- मिला जुला प्रभाव देगा। अटके हुए कार्य जल्दी पूरे हो जायेंगे और कुछ बने कार्य अटक सकते है। शारीरिक एवं मानिसक रूप से प्रसन्नता की अनुभूति होगी, जबकि आर्थिक पक्ष के लिए समय अनुकूल रहेगा। रुके हुए कार्य पूर्ण हो सकते है। पारिवारिक सुख समृद्धि मध्यम रहेगी। साझेदारों के साथ व्यवसाय में कुछ समस्या महसूस हो सकती है। दाम्पत्य जीवन में सामंजस्य की कमी के कारण तनाव बना रहेगा।

धनु (23नवम्बर- 22दिसम्बर)- खुद को सुधारने पर ध्यान दें। व्यायाम एवं ध्यान अपनाएं। जीवन साथी के साथ थोड़ा धैर्य के साथ खुलकर बात करें तो सामंजस्य अच्छा होगा। किसी भी निवेश के पूर्व किसी जानकार व्यक्ति से सलाह अवश्य लें। छात्र शैक्षणिक क्षमता को प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित करें। खर्च पर नियंत्रण रखें।

मकर (23दिसम्बर-20जनवरी)- छोटे मोटे उतार चढाव लगे रहेंगे। सहकर्मियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ स्वस्थ सम्बन्ध रखें। कार्य पर ध्यान केंद्रित करें। व्यवसाय से सम्बंधित कोई भी निर्णय लेते समय भावनाओं को शामिल न करें। परिवार आवश्यक होगा और उनके प्रति बहुत सुरक्षात्मक होंगे। भावनाओं और विचारों को सीमित ना रखें। राय खुलकर रखें। प्रियजनों या पारिवारिक ज़िम्मेदारियों की देखभाल करने के लिए खुद को नज़र अंदाज़ ना करें।

कुम्भ (21 जनवरी-19फ़रवरी)- लक्ष्यों को प्राप्त करने और बड़ी सफलता पाने के लिए सभी आवश्यक कौशल और क्षमताएं है। लगन एवं मेहनत से कुछ महत्वपूर्ण पेशेवर उपलब्धियां प्राप्त कर सकते है। करियर एवं वित्त के मामले में संतुलित होगा। वाणी पर संयम रखें और जो बोलते है, उसमे बहुत सावधान रहें। जीवन साथी की ज़रूरतों का पूरा ध्यान रखें।

मीन (20फरवरी-20मार्च)- खुद को फिर से ऊर्जावान बनाने और खुद पर विश्वास करने की जरूरत है। यह महत्वकांक्षाओं को साकार करने के लिए नए अवसरों की तलाश शुरू करने का समय है। खुद को साबित करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़सकती है। वित्त को मजबूत करने के लिए भरोसेमंद लोगों की सलाह लेने की ज़रुरत है। स्वस्थ के प्रति लापरवाही ना बातें। ■

संक्षिप्त खबरें

स्पाइसजेट ने विवाद निपटाया

नई दिल्ली। आर्थिक संकट में फंसी एयरलाइन स्पाइसजेट ने मंगलवार को कहा कि उसने 1.12 करोड़ डालर की राशि से जुड़े विवाद में विमान पट्टे पर देने वाली कंपनी क्रॉस ओशन पार्टनर्स के साथ समझौता कर लिया है। एयरलाइन ने कहा कि इस विवाद निपटान समझौते के तहत बिना किसी अतिरिक्त लागत के एयरफ्रेम और इंजन के हस्तांतरण से उसे लाभ होगा। स्पाइसजेट ने बयान में कहा, "क्रॉस ओशन पार्टनर्स की तरफ से दायर याचिका पर दोनों पक्षों ने दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष यह संयुक्त घोषणा की।'

करार जारी रखेगी हिमालया

बेंगुलरु। वेलनेस ब्राण्ड हिमालया वेलनेस ने वुमेन्स टी20 के मौजूदा सत्र के लिए रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु टीम के साथ अपना करार जारी रखने की घोषणा की। कंपनी ने इस वर्ष TakeMySPOT कैम्पेन में स्पॉट्स और उपलब्धियों पर ध्यान दिया है। कैम्पेन के जरिए कंपनी यह बताना चाहती है कि चेहरे के अनचाहे सपॉट्स, उपलब्धियों के स्पॉट्स की जगह कभी नहीं ले सकते। ऐसे में यह ब्राण्ड हिमालय डार्क स्पॉट क्लियरिंग टर्मिरिक फेस वॉश और फेस केयर रेंज भी लेकर आया है। इस कैम्पेन में आरसीबी की स्टार खिलाड़ी स्मृति मंदाना, रिचा घोष और श्रेयंका पाटिल के साथ-साथ कंटेंट क्रिएटर दानिश सैत को लिया गया है। यह जानकारी हिमालया वेलनेस के बिजनेस डायरेक्टर राजेश कृष्णमूर्ति ने दी।

रूबीना ब्रांड एम्बेसडर बनीं

नई दिल्ली। फैमिलीकेयर कंज्यूमर प्राइवेट लिमिटेड ने प्रसिद्ध सेलिब्रिटी रूबीना दिलैक को अपने बेबी केयर ब्रांड बमटम का ब्रांड एम्बेसडर बनाया है। कंपनी ने कहा कि रूबीना दिलैक देशभर में नई मदर्स के लिए एक प्रेरणा बनकर उभरी हैं। बमटम ब्रांड में उत्पादों की एक विस्तृत रेंज है जिसमें 0 से 5 वर्ष की उम्र के छोटे बच्चों की तमाम जरूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किए गए प्रोडक्ट्स शामिल हैं। रुबीना के साथ इस करार पर कंपनी के को-फाउंडर मयंक बेरिया, चिराग बेरिया और नीलिमा बेरिया ने खुशी जताई है।

प्लैटिनम के शेयर सूचीबद्ध

नई दिल्ली। स्टेबलाइजर बनाने वाली कंपनी प्लैटिनम इंडस्ट्रीज के शेयर मंगलवार को 171 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले 33 प्रतिशत बढ़कर सूचीबद्ध हुए। शेयर बीएसई पर 33.33 प्रतिशत बढ़कर 228 रुपये पर सूचीबद्ध हुए। बाद में भाव 38.59 प्रतिशत बढ़कर 237 रुपये पर पहुंच गया। प्लैटिनम इंडस्ट्रीज के शेयर एनएसई पर 31.57 प्रतिशत की तेजी के साथ 225 रुपये पर सूचीबद्ध हुए। कंपनी की मार्केट वैल्यू 124130 करोड़ रुपये है। कंपनी के आईपीओ को 98.99 गुना अभिदान मिला था।

कल्पतरु को मिला ठेका

नई दिल्ली। कल्पतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल ने मंगलवार को कहा कि उसे सऊदी अरब की ऊर्जा प्रमुख कंपनी अरामको से 800 किलोमीटर लंबी गैस पाइपलाइन बिछाने का ठेका मिला है। कल्पतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल लिमिटेड (केपीआईएल) ने बयान में कहा कि उसे सऊदी अरब में मास्टर गैस प्रणाली नेटवर्क (एमजीएस-3) के तीसरे चरण के तीन हिस्सों के लिए इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण कार्य करने को अरामको से आशय पत्र (एलओआई) मिला है। परियोजना के मूल्य की पुष्टि काम पूरा होने के बाद की जाएगी।

एक्सिकॉम लिस्टेड हुई

नई दिल्ली। ईवी चार्जर बनाने वाली कंपनी एक्सिकॉम टेली-सिस्टम्स लिमिटेड के शेयर मंगलवार को अपने निर्गम मूल्य 142 रुपये के मुकाबले करीब 87 प्रतिशत बढ़कर सूचीबद्ध हुए। कंपनी के शेयर बीएसई पर 85.91 प्रतिशत बढकर 264 रुपये पर सूचीबद्ध हुए। बाद में शेयर 93.27 प्रतिशत बढकर 274.45 रुपये पर पहुंच गए। इस तरह शेयर एनएसई पर 86.61 प्रतिशत बढ़कर 265 रुपये पर सूचीबद्ध हुए। एक्सिकॉम टेली-सिस्टम्स लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) को 129.52 गुना अभिदान मिला था।(एजेंसियां)

सिंगापुर में विदेशी कामगारों का बढ़ा वेतन

■ पांच हजार की जगह अब हर कर्मचारी को मिलेंगे न्यूनतम 5600 सिंगापुरी डालर

सिंगापुर (एजेंसियां)। सिंगापुर ने विदेशी कामगारों को जारी किए जाने वाले रोजगार परमिट (ईपी) के लिए न्यूनतम मासिक वेतन को 5000 सिंगापुर डालर से बढ़ाकर 5,600 सिंगापुर डालर कर दिया है।

इस हिसाब से अब विदेशी कामगारों को सिंगापुर में काम करने के कम से कम लगभग 3.45 लाख रुपये मासिक वेतन के रूप में मिलेंगे। बढ़ा हुआ वेतन एक जनवरी, 2025 से लागू होगा।

वित्तीय सेवाओं में काम करने वालों के लिए न्यूनतम वेतन 5,500 सिंगापुर डालर से बढ़ाकर 6,200 सिंगापुर डालर (लगभग 3.82 लाख रुपये) कर दिया गया है। इस क्षेत्र में अधिक वेतन के रुझानों को देखते हुए ऐसा किया गया है। नया वेतनमान ईपी धारकों पर तब लागू होगा, जब वे एक साल बाद पास का नवीनीकरण कराएंगे।

इन बदलावों का मकसद सभी स्तरों पर सिंगापुर के विदेशी कार्यबल के कौशल स्तर को बनाए रखना है। साथ ही यह सुनिश्चित करना भी है कि सिंगापुर के लोगों को नौकरियां मिल सकें।

आईईएक्स पर फरवरी में ऊर्जा कारोबार बढ़ा

नई दिल्ली (भाषा)।

भारतीय ऊर्जा बाजार (आईईएक्स) ने सोमवार को बताया कि उसके मंच पर फरवरी में सकल ऊर्जा कारोबार सालाना आधार पर 15.4 प्रतिशत बढ़कर 946.2 करोड़ यूनिट हो गया।

आईईएक्स ने कहा कि फरवरी 2024 के दौरान एक दिन बाद की खरीद में औसत बाजार कीमत 4.93 रुपये प्रति यूनिट थी। यह राशि सालाना आधार पर 26 प्रतिशत कम थी। बयान के मुताबिक समीक्षाधीन महीने में एक्सचेंज पर बिक्री बोलियां (एक दिन बाद की खरीद और तत्काल खरीद) सालाना आधार पर 47 प्रतिशत बढ़ीं। आईईएक्स ने फरवरी 2024 में कुल 946.2 करोड़ यूनिट का कारोबार हासिल किया।

सेंसेक्स 195 अंक टूटा

मुंबई (भाषा)। स्थानीय शेयर बाजारों में चार कारोबारी सत्रों से जारी तेजी पर मंगलवार को विराम लगा और बीएसई सेंसेक्स 195 अंक के नुकसान में रहा। वैश्विक स्तर पर कमजोर रुख और विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी के बीच आईटी शेयरों और सूचकांक में मजबूत हिस्सेदारी रखने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज में बिकवाली से बाजार में गिरावट आई।

बीएसई सेंसेक्स 195.16 अंक यानी 0.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ 73,677.13 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय सेंसेक्स 460.04 अंक तक लुढ़क गया था। पचास शेयरों पर आधारित नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 49.30 अंक यानी 0.22 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,356.30 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फिनसर्व और बजाज फाइनेंस चार-चार प्रतिशत नुकसान में नुकसान रहीं। इसके अलावा, नेस्ले, इन्फोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, विप्रो, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, लार्सन एंड टुब्रो और हिंदुस्तान यूनिलीवर में भी गिरावट रही।

बीते साल बेरोजगारी दर घटकर 3.1% रही

नई दिल्ली (भाषा)। सांख्यिकी मंत्रालय के राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन ने कहा है कि 15 साल या उससे अधिक उम्र के लोगों की बेरोजगारी दर वर्ष 2023 में घटकर 3.1 प्रतिशत रह गई, जो तीन साल का सबसे निचला स्तर है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन (एनएसएसओ) की तरफ से मंगलवार को जारी आवधिक श्रमबल सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक, कैलेंडर वर्ष 2023 में देश की बेरोजगारी दर 3.1 प्रतिशत रही जबकि 2022 में यह 3.6 प्रतिशत और 2021 में 4.2 प्रतिशत रही थी। बेरोजगारी दर को श्रमबल (15 साल से अधिक उम्र वर्ग) में बेरोजगार लोगों के प्रतिशत के रूप में परिभाषित किया जाता है।

आंकड़ों के मुताबिक, देश में कोविड महामारी का मार्च, 2020 में प्रसार शुरू होने के बाद से रोजगार की स्थिति सुधर रही है। महामारी पर काबू पाने के लिए लॉकडाउन लगाए जाने से आर्थिक गतिविधियां पूरी तरह ठप हो गई थीं। लेकिन केंद्र और राज्यों में लॉकडाउन हटाए जाने के बाद आर्थिक गतिविधियां तेज होने से स्थिति सुधरी है। सर्वेक्षण से पता चला कि महिलाओं के बीच बेरोजगारी दर भी 2023 में घटकर तीन प्रतिशत पर आ गई। महिला बेरोजगारी वर्ष 2022 में 3.3 प्रतिशत और 2021 में 3.4 प्रतिशत रही थी। इसी तरह पुरुषों के लिए बेरोजगारी का आंकड़ा 2022 में 3.7 प्रतिशत और 2021 में 4.5 प्रतिशत था लेकिन पिछले साल यह घटकर 3.2 प्रतिशत पर आ गया।

शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी की कुल दर में भी वर्ष 2023 में गिरावट आई और यह 5.2 प्रतिशत पर आ गई। वर्ष, 2022 में शहरी बेरोजगारी दर 5.7 प्रतिशत थी जबकि वर्ष 2021 में यह 6.5 प्रतिशत थी। इसी तरह, ग्रामीण इलाकों में बेरोजगारी दर 2022 के 2.8 प्रतिशत और 2021 के 3.3 प्रतिशत से घटकर बीते साल 2.4 प्रतिशत पर आ गई। शहरी क्षेत्रों में 15 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों की वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस) में श्रमबल भागीदारी दर (एलएफपीआर) बढकर 2023 में 56.2 प्रतिशत हो गई।

फ्लेक्सी फ्यूल वाहनों पर घट सकता है जीएसटी

नई दिल्ली (भाषा)।

भारी उद्योग मंत्रालय फ्लेक्सी फ्यूल वाहनों (एफएफवी) पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) घटाने के अनुरोध पर विचार कर रहा है। इन वाहनों पर जीएसटी की दर इस समय 28 प्रतिशत है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मंत्रालय विभिन्न हितधारकों और अन्य सरकारी एजेंसियों के साथ विचार-विमर्श कर रहा है। यह प्रक्रिया पूरी होने के बाद वित्त मंत्रालय को इस बारे में प्रस्तुति दी जाएगी। इसके बाद जीएसटी परिषद इस मुद्दे पर फैसला करेगी। उन्होंने कहा, 'हमें फ्लेक्स फ्यूल वाहनों पर जीएसटी कम करने के अनुरोध मिले हैं। हम विभिन्न हितधारकों और विभिन्न मंत्रालयों के विचारों को जानने के लिए इस मुद्दे पर बैठकें कर रहे हैं। हमें मिश्रित प्रतिक्रिया मिल रही हैं। कुछ लोगों का कहना है एफएफवी पर मौजूदा 28 प्रतिशत कर में कमी जरूरी है।'

अधिकारी ने नाम न छपने की शर्त पर बताया, 'हमें यह समीक्षा करने के लिए कहा गया है कि एफएफवी पर जीएसटी को कम करने की जरूरत है या नहीं।'

प्ले स्टोर पर भारतीय ऐप्स बहाल करने को गूगल तैयार

नई दिल्ली (भाषा)।

प्ले स्टोर पर सेवा शुल्क भुगतान को लेकर गूगल और भारतीय कंपनियो के बीच विवाद को सुलझाने के लिए सरकारी हस्तक्षेप के बाद गूगल भारतीय ऐप को बहाल करने पर सहमत हो गई है। दूरसंचार और सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को गूगल और स्टार्टअप को बातचीत की मेज पर बुलाया था।

■ सेवा शुल्क पेमेंट को लेगर गूगल का भारतीय ऐप्स कंपनियों से हो गया था विवाद

■ इसके बाद गूगल ने भारत के एक दर्जन ऐप प्ले स्टोर से हटाए

■ सरकारी दखल के बाद यह ऐप दुबारा प्ले स्टोर पर डाले जाएंगे

उन्होंने मंगलवार को कहा कि अमेरिकी कंपनी भारत की प्रौद्योगिकी विकास यात्रा का समर्थन कर रही है। उन्होंने कहा, 'गूगल और स्टार्टअप समुदाय ने हमसे मुलाकात की है, और हमारे बीच बेहद रचनात्मक चर्चा हुई है। गूगल सभी ऐप को सूचीबद्ध करने के लिए सहमत हो गई है।' गूगल ने 'इन-ऐप' भुगतान दिशानिर्देशों का पालन नहीं करने का हवाला देते हुए शुक्रवार को अपने प्ले स्टोर से एक दर्जन डेवलपर्स के ऐप को हटा दिया था। इनमें लोकप्रिय 'मैट्रीमोनी डॉट कॉम' और रोजगार ऐप 'नौकरी डॉट कॉम' शामिल थे। सरकार ने गूगल के इस कदम पर कड़ी आपत्ति जताई, और कहा कि इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। इसके बाद गूगल ने शनिवार से कुछ ऐप को बहाल कर दिया। ये ऐप 11-25 प्रतिशत शुल्क का भुगतान करने या ऐप के बाहर वित्तीय लेनदेन करने के लिए उसके दिशानिर्देश का पालन करने को सहमत हो गए थे। वैष्णव और सूचना एवं प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने इस संकट का समाधान खोजने के लिए सोमवार को गूगल और ऐप मालिकों के साथ कई दौर की चर्चा की। वैष्णव ने मंगलवार को कहा कि गूगल बीते शुक्रवार सुबह की स्थिति को बहाल करने के लिए सहमत हो गई है। उन्होंने कहा, 'हमें भरोसा है कि गूगल और स्टार्टअप समुदाय आने वाले महीनों में एक दीर्घकालिक समाधान तक पहुंचने में सक्षम होंगे।' उन्होंने संकेत दिया कि दोनों पक्ष साथ में बैठेंगे और सेवा शुल्क लगाने के मुद्दे को सुलझाएंगे।

आर्थिक वृद्धि के लिए व्यावसायिक सत्यनिष्ठा अहम

■ भरोसे लायक बहीखाते तैयार करना कंपनियों की पहली जिम्मेदारी

नई दिल्ली (भाषा)।

■ एनसीएलएटी चेयरमैन अशोक भूषण की राय

अपीलीय न्यायाधिकरण एनसीएलएटी के चेयरमैन न्यायमूर्ति अशोक भूषण ने मंगलवार को कहा कि आर्थिक वृद्धि के लिए व्यावसायिक सत्यनिष्ठा बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि कंपनियों की पहली जिम्मेदारी ऐसे बहीखातों को तैयार करने की है, जिन पर भरोसा किया जा सकता है।

राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) के चेयरमैन ने जोर देकर कहा कि लगातार सतर्कता बरतने की जरूरत है, ताकि पारदर्शिता और शासन व्यवस्था का प्रत्येक तत्व ठीक से और पूरी क्षमता से काम करे। वह यहां राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (एनएफआरए) द्वारा 'पारदर्शी वित्तीय रिपोर्टिंग और लेखापरीक्षा गुणवत्ता - कॉरपोरेट प्रशासन के स्तंभ' विषय पर आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में बोल रहे थे।

भूषण ने कहा, 'कंपनियों की पहली जिम्मेदारी ऐसे बहीखातों को तैयार करने की है, जिन पर भरोसा किया जा सकता है। कई मामलों में, कमजोर लेखा प्रथाओं के कारण वित्तीय घोटाले हुए हैं। यदि रिकॉर्ड सही तरह से नहीं रखे गए हैं, वित्तीय परिणाम सटीक नहीं हैं, तो पूरे कारोबारी माहौल को नुकसान होता है।' उन्होंने कहा कि अगर वित्तीय स्थिति निष्पक्ष रूप से नहीं बताई गई, तो संस्थानों और निवेशकों से पैसा जुटाना मुश्किल हो जाता है। सम्मेलन में एनएफआरए के चेयरमैन अजय भूषण प्रसाद पांडेय ने कहा कि जब नियामक ने काम शुरू किया, तो उसने निरीक्षणात्मक नजरिए की जगह प्रवर्तन नजरिए पर ध्यान केंद्रित किया, क्योंकि उस दौर में वक्त की मांग यही थी।

पेटीएम पेमेंट्स बैंक संदिग्ध लेनदेन का पता लगाने में विफल

नई दिल्ली (भाषा)।

पेटीएम पेमेंट्स बैंक धन शोधन रोधक कानून के तहत संदिग्ध लेनदेन का पता लगाने और उसकी सूचना देने के लिए एक आंतरिक व्यवस्था बनाने में विफल रहा।

वित्तीय आसूचना इकाई (एफआईयू) ने अपने आदेश में यह बात कहने के साथ ही जोड़ा कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक ने अपनी भुगतान सेवा में उचित जांच प्रक्रिया का पालन नही किया। उसने फिनटेक कंपनी पर 5.49 करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया।

वित्तीय खुफिया जानकारी जमा करने वाली संघीय एजेंसी ने अपने एक मार्च के आदेश में कहा कि बैंक के खिलाफ ये आरोप चार से अधिक की जांच के बाद पुष्ट किए गए थे। इस संबंध में पेटीएम पेमेंट्स बैंक को 14 फरवरी, 2022 को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था।

वृद्धि में बाधक बन सकती है ज्यादा नियामक घेराबंदी

नई दिल्ली (भाषा)। अनुभवी बैंकर उदय कोटक ने मंगलवार को कहा कि बहुत अधिक नियामक घेराबंदी आर्थिक वृद्धि को बाधित कर सकती है और एक विकसित राष्ट्र की ओर भारत की यात्रा को रोक सकती है। उन्होंने राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (एनएफआरए) के दो दिवसीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि नियामकों को बहुत अधिक रूढ़िवादी और सतर्क नहीं होना चाहिए। इसकी जगह संबंधित क्षेत्रों में किसी आकस्मिक घटना पर तेजी से प्रतिक्रिया देनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'मैं भारत के भविष्य के बारे में बहुत आशावादी हूं, लेकिन मैं इस बात को लेकर भी बहुत सचेत हूं कि घेराबंदी के बिना अवसरों को पाने की बेलगाम कोशिश जोखिम पैदा कर सकती है और इसी तरह बहुत अधिक घेराबंदी से भी हम वहां (विकसित देश) तक नहीं पहुंच पाएंगे।' कोटक ने कहा कि अगले 20-25 वर्षों में 7.5-8 प्रतिशत की तेज वृद्धि दर हासिल करने के लिए महत्वपूर्ण क्षमता निर्माण जरूरी है। इसके लिए रचनात्मकता, उद्यमिता और पेशेवर भावना की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यदि भारतीय अर्थव्यवस्था को बदलना है तो हमें अपनी अपनी उद्यमशीलता और रचनात्मक भावनाओं की रक्षा और पोषण करने की बहुत जरूर है।

चार रेलवे स्टेशनों पर भोजन पहुंचाएगी स्विगी

नई दिल्ली (भाषा)।

स्विगी 12 मार्च से बेंगलुरु, भुवनेश्वर, विशाखापत्तनम और विजयवाड़ा रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को भोजन पहुंचाने की सेवाएं देगी। स्विगी ने एक बयान में कहा कि आने वाले हफ्तों में भोजन पहुंचाने की सेवाओं को 59 और रेलवे स्टेशनों तक बढाया जाएगा। स्विगी फूड मार्केटप्लेस और भारतीय रेल खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) ने रेलगाड़ियों में पहले से आर्डर किए गए भोजन को पहुंचाने के लिए मंगलवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

यात्री आईआरसीटीसी ऐप पर पीएनआर दर्ज करके और भोजन पाने के लिए पसंदीदा स्टेशन का चयन करके स्विगी के जरिये भोजन पहुंचाने की सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। आईआरसीटीसी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक संजय कुमार जैन ने कहा, 'स्विगी के साथ यह साझेदारी हमारे यात्रियों को अधिक सुविधाजनक रूप से भोजन पाने का विकल्प देगी, जिससे उनकी यात्रा और अधिक यादगार बन जाएगी।'

हेलिओस का नया फंड

लखनऊ (वि.)। हेलिओस म्यूचुअल फंड ने एक ओपन-एंडेड डायनेमिक एसेट एलोकेशन फंड, हेलिओस बैलेंस्ड एडवांटेज फंड (बीएएफ) लांच करने की घोषणा की है। एनएफओ अपना अंशदान 11 मार्च को प्रारम्भ करेगा और इसका समापन 20 मार्च

को होगा। फंड की लांचिंग के मौके पर हेलिओस म्यूचुअल फंड के सीआईओ आलोक बहल ने कहा, यह फंड इक्विटी के संभावित उतार-चढ़ाव का लाभ उठाने का उद्देश्य रखता है जबकि डायनामिक पोर्टफोलियो प्रबंधन के माध्यम से घाटे को सीमित करता है।

बकाया न देने पर मस्क पर मुकदमा

■ मुकदमा करने वालों में ट्विटर के पूर्व सीईओ पराग अग्रवाल भी हैं शामिल

नई दिल्ली (भाषा)।

ट्विटर के पूर्व सीईओ पराग अग्रवाल और मुख्य कानूनी अधिकारी विजया गड्डे सहित कंपनी की पिछली नेतृत्व टीम ने एलन मस्क के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। इसमें कहा गया गया है कि अरबपति कारोबारी ने उन्हें बिना किसी कारण के निकाल दिया और 12.8 करोड़ अमेरिकी डालर के बकाए का भुगतान नहीं कर रहे हैं।

अग्रवाल, गड्डे, ट्विटर के पूर्व मुख्य वित्तीय अधिकारी नेड सेगल और जनरल काउंसिल सीन एडगेट ने कैलिफोर्निया के उत्तरी जिले के अमेरिकी जिला न्यायालय में टेस्ला और स्पेसएक्स के प्रमुख और एक्स कॉर्प के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। मुकदमे में कहा गया है कि मस्क के मन में अग्रवाल, गड्डे, सेगल और एडगेट के लिए बहुत अधिक गुस्सा है, क्योंकि इन लोगों ने मस्क के ट्विटर सौदे से पीछे हटने की कोशिस करने के दौरान ट्विटर के सार्वजनिक शेयरधारकों के हितों का जोरदार प्रतिनिधित्व किया।

मुकदमे में यह भी कहा गया है कि उनके प्रयासों के चलते मस्क ने जीवन भर बदला लेने की कसम खाई है। अग्रवाल ने 2011 से 2022 तक ट्विटर में काम किया और 29 नवंबर, 2021 से 27 अक्टूबर, 2022 तक मंच के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रहे।

टेलीविजन को जल्द पीछे छोड़ देगा डिजिटल मीडिया

नई दिल्ली (भाषा)।

मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र में इस साल डिजिटल मीडिया 75,100 करोड़ रुपये के अनुमानित आकार के साथ जल्द ही टेलीविजन को पीछे छोड़ सकता है। उद्योग मंडल फिक्की और ईवाई की मंगलवार को जारी संयुक्त रिपोर्ट में यह कहा गया है।

देश के मीडिया और मनोरंजन (एम एंड ई) क्षेत्र में 2023 में 8.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 2.32 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इसके 2024 में 2.55 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने और 2026 तक तीन लाख करोड़ रुपये को पार करने की उम्मीद है।

रिपोर्ट में कहा गया है, 'हमें उम्मीद है कि एम एंड ई क्षेत्र 2024 तक 10.2 प्रतिशत बढ़कर 2.55 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगा। वहीं 2026 तक संचयी रूप से 10 प्रतिशत वृद्धि के साथ यह 3.1 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगा।' हालांकि, 2023 में टेलीविजन 69,600 करोड़ रुपये के साथ सबसे बड़ा खंड रहा। लेकिन 2022 में 70,900 करोड़ रुपये के मुकाबले इसमें 1.83 प्रतिशत की गिरावट आई।

जबकि, 2023 में डिजिटल मीडिया 65,400 करोड़ रुपये को पार कर गया और 2024 में लगभग 75,100 करोड़ रुपये पहुंच जाने की उम्मीद है। यह टेलीविजन मीडिया के 71,800 करोड़ रुपये के आंकड़े से अधिक है। रिपोर्ट के अनुसार, 2026 में डिजिटल मीडिया लगभग 95,500 करोड़ रुपये का होगा। इसमें 2023-26 के बीच संचयी रूप से 13.5 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है। वहीं टीवी मीडिया 76,600 करोड़ रुपये का होगा। यह डिजिटल मीडिया से करीब 20 प्रतिशत से कम होगा। इस मजबूत वृद्धि का कारण मजबूत डिजिटल बुनियादी ढांचा, ओटीटी (ओवर द टॉप) मंचों को व्यापक रूप से अपनाना, गेमिंग क्षेत्र में महत्वपूर्ण वृद्धि और उपभोक्ताओं के लिए लागत प्रभावी विकल्पों की उपलब्धता का बढ़ना है। रिपोर्ट में उम्मीद जताई गई है कि बेहतर संचालन व्यवस्था के साथ डिजिटल विज्ञापन संचयी रूप से 13.5 प्रतिशत बढ़कर 84,200 करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, इंटरनेट की पहुंच लगातार बढ़ने से 'कनेक्टेड टीवी' (स्मार्ट टीवी) में 50 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई। इसमें कहा गया है, 'ब्रॉडबैंड बाजार बढ़ रहा है और इसके ग्राहकों की संख्या 90.4 करोड़ पहुंच गई है।'

सीसीआई कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर बाजार अध्ययन करेगा

नई दिल्ली (भाषा)।

निष्पक्ष व्यापार नियामक सीसीआई जल्द ही कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर बाजार अध्ययन शुरू करेगा। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) की प्रमुख रवनीत कौर ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि एआई को लेकर बढ़ती चिंताओं को समझने के लिए यह अध्ययन किया जाएगा।

कौर ने कहा, ''हम जल्द ही भारतीय बाजारों में एआई और एआई के उपयोग के संबंध में व्यापक समझ हासिल करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर एक बाजार अध्ययन शुरू करेंगे।

'टाइगर नागेश्वर राव' का हिंदी संस्करण अमेजन प्राइम वीडियो पर

मुंबई। अभिनेता रवि तेजा को आजकल फिल्म 'ईगल' में देखा जा रहा है। इससे पहले अभिनेता बीते साल रिलीज हुई फिल्म 'टाइगर नागेश्वर राव' में नजर आए थे। यह उनकी पहली पैन इंडिया फिल्म है। 'टाइगर नागेश्वर राव' पहले ही तेलुगु भाषा में अमेजन प्राइम वीडियो पर दस्तक दे चुकी है। अब इस फिल्म का हिंदी संस्करण भी प्राइम वीडियो पर रिलीज कर दिया गया है। 'टाइगर नागेश्वर राव' का निर्देशन वामसी ने किया है। इस फिल्म के जरिए कृति सैनन की बहन नूपुर सैनन पैन इंडिया डेब्यू किया है। दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर भी इस फिल्म का प्रमुख हिस्सा हैं। 35 करोड़ रुपये की लागत में बनी फिल्म 'टाइगर नागेश्वर राव' ने 50 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया था।

लाइफ Style

जाह्नवी

आरसी-16 से साउथ फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू

एजेंसी ⏭ मुंबई

'धड़क' मूवी से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर अब साउथ फिल्म इंडस्ट्री में अपनी किस्मत आजमाने जा रही हैं। खबर है कि उन्होंने साउथ के स्टार रामचरण के साथ फिल्म साइन की है और दोनों 'आरसी 16' में नजर आएंगे। इसे बुच्ची बाबू सना डायरेक्ट करेंगे। अब जाह्नवी के पिता और प्रोड्यूसर बोनी कपूर ने इस खबर को कंफर्म कर दिया है।

बोनी कपूर ने कहा कि जान्हवी कपूर पहले जूनियर एनटीआर के साथ 'देवारा' के लिए शूटिंग कर चुकी है। उन्हें इसका हर हिस्सा पसंद आया। जल्द ही वह राम चरण के साथ फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगी। बोनी ने कहा कि राम और जूनियर एनटीआर बहुत अच्छा कर रहे हैं। बता दें कि जान्हवी ने धड़क फिल्म से अपने करियर की शुरुआत की थी जिसमें वे ईशान खट्टर के अपोजिट नजर आई थीं। इसके बाद एक्ट्रेस ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। वे वरुण धवन के अपोजिट सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी नाम की फिल्म में नजर आएंगी। अगले वर्ष 18 इप्रैल 2025 को सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी थिएटर में आएगी।

अली अब्बास जफर के निर्देशन में बनने वाली फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' इस साल ईद पर रिलीज होगी। इस फिल्म में भी जान्हवी कपूर नजर आने वाली हैं। फिल्म में अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की जोड़ी देखने को मिलेगी। इसके साथ ही फिल्म में मलयालम सिनेमा के सुपरस्टार पृथ्वीराज सुकुमारन और जुगल हंसराज भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि ये फिल्म एक्शन से भरपूर होने वाली है। इसी प्रकार जान्हवी कपूर इस साल 'झलक' नाम की फिल्म में भी दिखाई देने वाली हैं।

हॉलीवुड मसाला

'द ब्लफ' में आएंगी नजर...

लॉस एंजिलस। बॉलीवुड से हॉलीवुड तक अपनी पहचान बनाने वाली देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा अब ग्लोबल स्टार बन गई हैं। अब उन्होंने अपनी नई फिल्म 'द ब्लफ' का ऐलान कर दिया है। प्रियंका ने 'द ब्लफ' के लिए मशहूर अभिनेता कार्ल अर्बन के साथ हाथ मिलाया है। प्रियंका ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट साझा कर अपनी हॉलीवुड फिल्म 'द ब्लफ' में समुद्री डाकू बनने की घोषणा की। इस फिल्म का निर्देशन फ्रैंक ई फ्लावर्स करेंगे, जो दुनियाभर में मशहूर फिल्म 'बॉब मार्लेः वन लव' की कहानी भी लिख चुके हैं।

ग्रैमी विजेता गायक शर्विन को गीत गाने पर सुनाई 3 साल की सजा

लॉस एंजिलस। ग्रैमी पुरस्कार पा चुके ईरान के पॉप गायक शर्विन हाजीपुर सुर्खियों में हैं। गायक को 2022 में उनके द्वारा लिखे गए एक गाने के चलते 3 साल की जेल की सजा सुनाई गई है। दरअसल, गायक ने पुलिस कस्टडी में मारी गई महसा अमिनी और हिजाब विरोध प्रदर्शन के समर्थन में गाना लिखा था। इसके बाद उन पर हिंसा भड़काने और सरकार के खिलाफ प्रचार करने के आरोप लगे थे। दरअसल, शर्विन ने 2022 में सोशल मीडिया पर अपना गाना 'बराए' साझा किया था, जिसका मतलब 'किसी के लिए' है। उन्होंने इस गाने के बोल लोगों के ट्वीट से बनाए थे और बताया था कि ईरानी जनता सरकार के खिलाफ क्यों है। यह गाना जारी होते ही वायरल हो गया और गायक को अगले ही दिन गिरफ्तार कर लिया गया था। शर्विन को सरकार के खिलाफ प्रचार के लिए 8 महीने की सजा दी गई।

प्रतीक, पेंटाली का बेरहम घड़ियां गाना रिलीज

मुंबई। प्रतीक सहजपाल और पेंटाली सेन अभिनीत गाना बेरहम घड़ियां रिलीज हो गया है। प्रतीक सहजपाल व पेंटाली सेन ने कहा कि गदर की कोरियोग्राफर शबीना मैम ने इसे एक फिल्म की तरह शूट किया था। महत्वपूर्ण रहस्य के साथ, यह एक फिल्म जैसी कहानी है। हमें बहुत आनंद आया। शबीना खान द्वारा निर्देशित और कोरियोग्राफ बेरहम घड़ियां गाने को मोहम्मद ने आवाज दी है। संगीत दानिश और स्वाति शर्मा के कुमार दीपक ने दिया है। गीतकार श्री सिंधु हैं। यह गाना मून मूवीज़ एंड म्यूजिक द्वारा निर्मित है। बेरहम घड़ियां मून ओरिजिनल यूट्यूब चैनल और सभी प्रमुख स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। अभिनेत्री पेंटाली सेन ने कहा कि मैं उन सभी लोगों को धन्यवाद देती हूं, जिन्होंने मेरा समर्थन किया और मेरे साथ हैं।

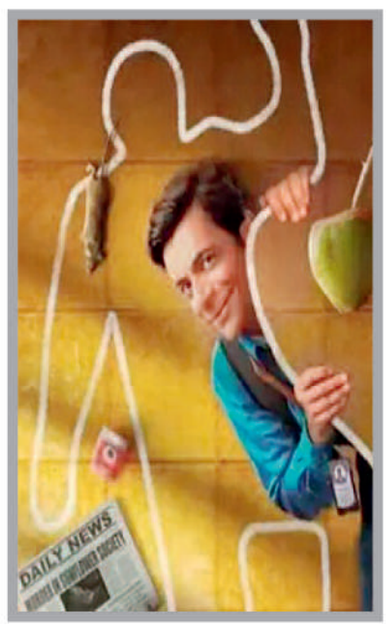

सुनील की 'सनफ्लावर 2' नया पोस्टर रिलीज

मुंबई। बॉलीवुड के जाने-माने कॉमेडियन और अभिनेता सुनील ग्रोवर पिछले कुछ समय से अपनी आगामी वेब सीरीज 'सनफ्लावर 2' को लेकर चर्चा में हैं। यह सीरीज 2021 में आई 'सनफ्लावर' की दूसरी किस्त है। 'सनफ्लावर 2' का प्रीमियर 1 मार्च, 2024 को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर हुआ। अब इस बीच निर्माताओं ने 'सनफ्लावर 2' की रिलीज से तीन दिन पहले सीरीज का पहला पोस्टर जारी कर दिया है, जिसे देख प्रशंसक काफी उत्साहित हो गए हैं। जी5 ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर 'सनफ्लावर 2' का पहला पोस्टर साझा करते हुए लिखा, 'संदिग्ध गतिविधियों से घिरा सोनू क्या सिर्फ एक संदिग्ध से ज्यादा कुछ है?' 'सनफ्लावर 2' में अभिनेत्री अदा शर्मा भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। रणवीर शौरी और आशीष विद्यार्थी जैसे सितारे भी इस सीरीज का हिस्सा हैं।

टीवी मसाला

राजनीति में भूचाल लाने लौट रही 'महारानी', बदला लेते आएंगी नजर

मुंबई। पहले और दूसरे पार्ट से दर्शकों के जेहन में जगह बना चुकी पॉपुलर वेब सीरीज 'महारानी' के तीसरे सीजन का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ जिससे यह भी साफ़ हो गया है कि यह पॉलिटिकल ड्रामा कब रिलीज होने वाला है। ट्रेलर में दिखाया गया गया है कि पति भीमा भारती (सोहम शाह) की हत्या के झूठे आरोप में रानी भारती (हुमा कुरैशी) जेल में बंद है और इस हत्याकांड का बदला लेने की तैयारी कर रही है। हुमा कुरैशी स्टारर मोस्ट अवैटेड वेब सीरीज 'महारानी' तीसरे सीजन के साथ वापस लौट रही है। इस सीरीज को 7 मार्च से सोनी लिव पर देखा जा सकता है।

क्या होगी 'महारानी 3' की कहानी

ट्रेलर से जो कहानी स्पष्ट होती है, उसके मुताबिक़, रानी भारती जेल में रहते हुए अपनी पढ़ाई पूरी कर रही है। रानी का राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी नवीन कुमार (अमित सियाल) उसके सामने चैलेंजेस डालता है। रानी के बच्चों पर भी गोली चलाई जाती है, तब वह जमानत पर बाहर निकलने का फैसला लेती है ताकि अपने बदले को अंजाम सके। ट्रेलर में कई शानदार डायलॉग्स भी सुनने को मिलते हैं, जिनमें से एक है, बंदूक कमजोर लोग चलाते हैं, समझदार लोग दिमाग। ट्रेलर के साथ 'महारानी' की स्ट्रीमिंग की तारीख का ऐलान भी किया गया है।

कौन है महारानी का क्रिएटर

'महारानी' एक फिक्शन स्टोरी पर बेस्ड वेब सीरीज है, जिसमें एक घरेलू महिला के मुख्यमंत्री बनकर राजनीति में आने और फिर यहां नई-नई चुनौतियों का सामना करने की कहानी दिखाई गई है। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि यह कहानी बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी से प्रेरित है। सीरीज में नवीन कुमार के किरदार को बिहार के मुख्यमंत्री नितीश कुमार से प्रेरित बताया जाता है।

वेब सीरीज की स्टार कास्ट

इस वेब सीरीज के क्रिएटर जाने-माने फिल्ममेकर सुभाष कपूर हैं। जबकि इसके पहले दो पार्ट को क्रमशः करण शर्मा और रवीन्द्र गौतम ने निर्देशित किया था। तीसरे पार्ट के डायरेक्टर सौरभ भावे हैं। सीरीज में विनीत कुमार, प्रमोद पाठक, कनी कुस्रुती, अनुजा साथे, सुशील पांडे, दिव्येंदू भट्टाचार्य की भी अहम भूमिका है।

कान्स फिल्म फेस्टिवल में धूम मचाने के बाद देशी थियेटर पर रिलीज होगी अल्फा बीटा गामा

मुंबई। कोरोना काल में पहले लॉकडाउन के दौरान एक आदमी, उसकी पत्नी और पत्नी का ब्वॉयफ्रेंड एक ही घर में 14 दिनों के लिए बंद हो गए हों तो उसका नज़ारा क्या होगा। क्या होगा घर के अंदर का माहौल। कुछ ऐसे ही मसालेदार तड़के के साथ एक लव स्टोरी फिल्म देश भर के सिनेमाघरों में आ रही है 8 मार्च को जिसका नाम है अल्फा बीटा गामा। इस फिल्म को बनाया है पुणे फिल्म इंस्टीट्यूट के कुछ लोगों ने एक टीम बना कर। फ्रेश सब्जेक्ट, अनछुई कहानी है और यही वजह है कि इस फिल्म ने पिछले 2 से 3 सालों में दुनिया भर में वाहवाही बटोरी है। लेखक निर्देशक श्रीकुमार शंकर की फिल्म अल्फा बीटा गामा का फिल्म फेस्टिवल गोवा में तालियों की गड़गड़ाहट से स्वागत हुआ। उसके बाद फिल्म अल्फा बीटा गामा ने दुनियां भर के एक से बढ़कर एक प्रतिष्ठित फिल्म समारोहों में आकर्षण का केंद्र बनी।

फिल्म में इन कलाकारों का रोल

फिल्म में रीना अग्रवाल के अलावा निशान ननैया और अमित कुमार वशिष्ठ मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। ये फिल्म छोटी फिल्म प्रोडक्शन और नाउअर्सेंस के बैनर तले बनी है। अल्फा बीटा गामा को 70 एमएम टॉकीज, सामंत चौहान और अगस्त्य जैन ने प्रस्तुत किया है। मोना शंकर, मेनका शर्मा, जितिन राज और थॉमस पुन्नूस ने फिल्म को प्रोड्यूस किया है। लेखक और निर्देशक श्रीकुमार शंकर की फिल्म अल्फा बीटा गामा एक लव स्टोरी हैं जिसमें स्लाइस ऑफ लाइफ के बीच ढेर सारी कॉमेडी है।

विजय वर्मा फिल्म 'आईसी814' में पायलट बन जीतेंगे दर्शकों का दिल

मुंबई। अभिनेता विजय वर्मा अब धीरे-धीरे बॉलीवुड में भी अपने पैर जमा रहे हैं। विजय एक के बाद एक कई हिंदी फिल्मों और वेब सीरीज में अपने अभिनय का कमाल दिखाते नजर आए हैं। हाल ही में उनकी नई फिल्म 'आईसी 814 का ऐलान किया गया है। फिल्म में अभिनेता पायलट की भूमिका निभाएंगे। 'आईसी 814: द कंधार हाईजैक' में कैप्टन देवी शरण की भूमिका निभाने से पहले विजय ने असल में कैप्टन देवी शरण से मुलाकात की। फिल्म में विजय के अलावा नसीरुद्दीन शाह, पंकज कपूर और दीया मिर्जा जैसे सितारे मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म के निर्देशन की कमान अनुभव सिन्हा ने संभाली है और यह 'नेटफ्लिक्स' पर दस्तक देगी।

कंधार विमान अपहरण की कहानी

'आईसी 814: द कंधार हाईजैक' में साल 1999 में एयर इंडिया के विमान के हाईजैक की वास्तविक घटना को दिखाया जाएगा। इस घटना में 188 यात्रियों को आतंकवादियों ने 7 दिनों तक बंधक बनाकर रखा था। विजय ने कैप्टन से सारी जानकारी जुटाने के बाद अपनी तैयारी में और गूढ़ता लाने के लिए विजय ने फ्लाइट सिविलाइजेशन सेंटर का दौरा किया। इस क्षेत्र के विशेषज्ञों से सीखते हुए अभिनेता ने अपने किरदार में प्रामाणिकता लाने के लिए सभी आवश्यक चीजों को ग्रहण किया है। बता दें, यह फिल्म कंधार प्लेन हाईजैक की सच्ची घटना पर आधारित है।

इस माह मचेगा बॉक्स ऑफिस में तहलका, फिल्म प्रेमियों के लिए बेहद ही खास

योद्धा से लेकर द क्रू तक रिलीज होंगी ये धांसू फिल्में

मुंबई। इन दिनों सिनेमाघर में बॉलीवुड, टॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक की फिल्में धमाल मचा रही है। हर जॉनर की फिल्म बॉक्स ऑफिस शानदार प्रदर्शन कर रही हैं। फरवरी का महीना शुरुआत से ही एंटरटेनमेंट से भरपूर रहा। कई फिल्मों ने लोगों का दिल जीता और शानदार कलेक्शन भी किया। वहीं अब मार्च का महीना भी फिल्म प्रेमियों के लिए बेहद ही खास होने वाला है। इस महीने कॉमेडी, रोमांस, थ्रिल, सस्पेंस, एनिमेशन और एक्शन से भरपूर कई शानदार फिल्में रिलीज होने के लिए तैयार हैं। जिसमें सिद्धार्थ कपूर की योद्धा से लेकर करीना-तब्बू-कृति की द क्रू भी शामिल है।

अजय देवगन की हॉरर थ्रिलर फिल्म 'शैतान'

अजय देवगन की मचअवेटेड हॉरर थ्रिलर फिल्म 'शैतान' भी रिलीज होने के लिए तैयार है। विकास बहल के निर्देशन में बनी ये फिल्म 8 मार्च को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म 'शैतान' में अजय देवगन के अलावा आर. माधवन, एक्ट्रेस ज्योतिका भी नजर आएंगी। फिल्म को अजय देवगन, ज्योति देशपांडे, कुमार मंगत पाठक और अभिषेक पाठक ने प्रोड्यूस किया है।

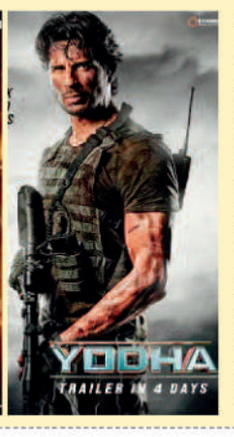

सिद्धार्थ मल्होत्रा स्टारर फिल्म 'योद्धा'

सिद्धार्थ मल्होत्रा स्टारर फिल्म 'योद्धा' 15 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस हाई ऑक्टेन एक्शन फिल्म में सिद्धार्थ सोल्जर की भूमिका धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। इसके अलावा इस फिल्म में दिशा पाटनी और राशि खन्ना भी नजर आने वाली हैं। फिल्म को पुष्कर ओझा और सागर आंबे ने डायरेक्ट किया है। वहीं करण जौहर, शशांक खैतान, अपूर्वा मेहता ने फिल्म को प्रोड्यूस किया है।

नक्सलवाद पर प्रहार 'बस्तर द नक्सल स्टोरी'

अदा शर्मा की अपकमिंग फिल्म 'बस्तर द नक्सल स्टोरी' की जब से अनाउंसमेंट हुई है, फैंस इस मूवी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। सुदीप्तो सेन ने डायरेक्शन में बनी फिल्म 15 मार्च 2024 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म में अदा शर्मा लीड रोल में हैं।

करीना, कृति और तब्बू की फिल्म 'क्रू'

करीना कपूर खान, कृति सेनन और तब्बू की मचअवेटेड फिल्म 'क्रू' को लेकर दर्शकों के बीच बज बना हुआ है। राजेश ए कृष्णन के डायरेक्शन में बनी ये फिल्म 29 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में दिलजीत दोसांझ कॉमेडियन कपिल शर्मा, एकता कपूर, शोभा कपूर, रिया कपूर और अनिल कपूर स्पेशल अपीयरेंस करते दिखेंगे।

कई सितारों से सजी 'मर्डर मुबारक'

सितारों से सजी मिस्ट्री थ्रिलर फिल्म 'मर्डर मुबारक' 15 मार्च को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगा। इस फिल्म में सारा अली खान, करिश्मा कपूर, विजय वर्मा, पंकज त्रिपाठी, डिंपल कपाड़िया, संजय कपूर सहित कई सितारें एक साथ नजर आएंगे।

एनिमेटेड फिल्म 'कुंग फू पांडा 4'

एनिमेटेड फिल्म 'कुंग फू पांडा 4' भी 15 मार्च को रिलीज होने वाली है। ए ड्रीमवर्क्स एनिमेशन, कुंग फू पांडा 4 का डायरेक्शन माइक मिचल ने किया है। यूनिवर्सल पिक्चर्स वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी की ये फिल्म अंग्रेजी, हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में रिलीज होने के लिए तैयार है।

बायोपिक फिल्म 'स्वतंत्र वीर सावरकर'

रणदीप हुडा के निर्देशन में बनी फिल्म 'स्वतंत्र वीर सावरकर' 22 मार्च 2024 को दो भाषाओं हिंदी और मराठी में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में अंकिता लोखंडे भी नजर आने वाली हैं। बता दें कि 'स्वतंत्र वीर सावरकर' भारत के स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर की बायोपिक है।

आस्था

डा. योग्यता भार्गव

सहरिया जनजाति के देवी देवताओं में आसमानी माता

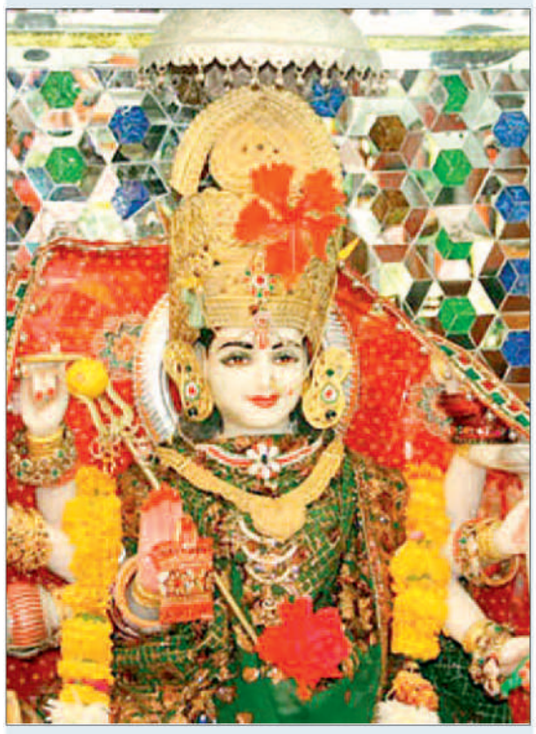

छत्तीसगढ़ अंचल में अनेक जनजातियां निवास करती हैं ऐसे ही जनजातियों में दल्लीराजहरा और मानपुर अंचल में सहरिया जनजाति निवास करती हैं। इनकी दिनचर्या, रहन-सहन और पूजा पद्धति भी अलग है। यहां हम इन्हें कुल देवता के बारे में देखें तो पता चलता है कि यह जाति अपनी कुल देवी के रूप में आसमानी देवता की पूजा-अर्चना करते हैं। नवरात्रि के अवसर इस देवता की विशेष रूप से पूजा करते हैं। देव स्थल पर जंवारा बोने के स्थान को बारी या बाड़ी कहते हैं। माता को इस समय पचरंग श्रृंगार करते हैं तथा लौंग, सुपारी, नारियल, पान, बताशा, सिंदूर और उड़द माता को अर्पित करते हैं। साथ ही एक खप्पर भैरो के नाम से बोया जाता है। किसी भी शुभ कार्य करने से पहले देवी की पूजा कर अनुमति ली जाती है। इन जनजातियों का मानना है कि विपत्ति आने पर यह कुल देवी अपने वंशों की रक्षा करती हैं। पूजा अर्चना के बाद गीत गाए जाते हैं-

आसमानी मैया खेले चार चौगान, चार चौगान, मुलक मैदान
आसमान मैया खेले चार चौगान

यानि माता बड़े मैदान में खेल रही हैं, इस तरह धार्मिक और मांगलिक अवसरों पर माता को मनाने और मनौती की पूर्ति के लिए गीत गाए जाते हैं जिसमें परिवार के साथ ग्रामीण जन भी शामिल होते हैं।

पुस्तक समीक्षा

किसानी के गीत

कृति के नाव
किसानी के गीत

लेखक
उदय प्रसाद उदय

प्रकाशक
उदय शोध संस्थान दुर्ग

पुस्तक समीक्षा
बी पी ताम्रकार

मूल्य
दू सौ पचास रुपिया

छत्तीसगढ़ी के दुर्ग जिला के आजादी मे अपन योगदान देवैया सुघर साहित्यकार घलो रिहिन। आप मन एकर संग खेती किसानी के अब्बड़ अकन गीत लिखे हव। जेमा अन्न महिमा, चकबंदी, कंपोस्ट खातू, पुरौनी, रोपा, अन्न कोठी, गौ वंदना, गांव विकास, दुकाल, श्रम के महानता संग आऊ आने शीर्षक ले गीत लिख के छत्तीसगढ़ के किसान मन के मनोबल ला बढ़ाए मे कोनो कमी नी करेव। आपके जम्मो गीत मन ला उदय सोध संस्थान हा प्रकाशित कराय हे। आज ओहि गीत मन हा गांव के परंपरा के अच्छा मिसाल हमन पाठक मन ला देवत हे। आज के पीढ़ी मन ला ए किताब एक प्रकार ले दिशा निर्देश घलाव करत हे।

प्राचीन दंडकारण्य और नल वंश

इस वंश से संबद्ध दो अभिलेख एक ताम्र पत्र और दूसरा प्रस्तराभिलेख कोरापुट क्षेत्र से मिले हैं। यह प्राप्त सभी वस्तु बस्तर अंचल की हैं। इस क्षेत्र के अनेक नाम नलपरक हैं जो नलों के राजत्व का बोध कराते हैं।

ऐतिहासिकः डा हीरालाल शुक्ल

प्राचीन दंडकारण्य से प्राप्त सिक्कों और अभिलेखों के आधार पर बी. व्ही. कृष्णराव ने नलों की राज्य सीमा पश्चिम में वैनगंगा से लेकर दक्षिण में इंद्रावती तक और पूर्व घाट से लेकर उत्तर में मैकाल क्षेत्र तक मानी है। ज्ञातव्य है कि इस वंश से संबद्ध दो अभिलेख एक ताम्र पत्र और दूसरा प्रस्तराभिलेख कोरापुट क्षेत्र से मिले हैं। यह प्राप्त सभी वस्तु बस्तर अंचल की हैं। इस क्षेत्र के अनेक नाम नलपरक हैं जो नलों के राजत्व का बोध कराते हैं। यथा बस्तर जिले में नलपल्ली, नलगोंडा, नडपल्ली, निलवाया, नेलाकांकेर, नेलचेर, नलवाड, नलपवंड और नेलसागर आदि। इस क्षेत्र से होकर प्रवाहित होने वाली इंद्रावती नदी नल की पुत्री इंद्रसेना तथा पुत्र इंद्रसेन की स्मारिका है। नलों की राजधानी पुष्करी का उल्लेख इन राजाओं के प्राप्त ताम्रपत्रों में मिलता है। बस्तर जिले में करेकोट नामक ग्रामों की भी सत्ता है। करेकोट, करकोट या काकोटिक नल का मित्र नागराज था।

हिन्दी काव्य मा छत्तीसगढ़

लोक साहित्यः सरला शर्मा

आदि कवि वाल्मीकि अपन रामायण में छत्तीसगढ़ के वर्णन करे हावय। दंडकारण्य महाकांतर कही के जऊंन लिखे हावय ऊही हर तो आज के बस्तर के जंगल आय। तुरतुरिया के आश्रम में तो मर्यादा पुरूषोत्तम राम के परानी, लवकुश के महतारी सीता रहत रिहिन हे। कवि कुल शिरोमणि कालिदास के यच्छ जौन पहाड़ के शिखर मे रिहिन, अलकापुरी में रहैया अप्सरा ला अपन जीव के हाल सुनाय बर मेघदूत भेजे रहिस। ओ प्रसंग ला पढ़े ले भास जाथे के प्रकृति चित्रण में वर्णित रुख राई, नदिया, पहाड़, छत्तीसगढ़ के रिहिन। आप मन जानत हाव येकर ले कि छत्तीसगढ़ के गोठ पुरातन साहित्य में घलो मिलथे। लोचन प्रसाद पांडेय जी पुरातत्व वेत्ता घलो रिहिन। वोमन अंचल के भुइयां में विचरण करैया पसु पक्षी के सुरता करत लिखे हावय

सरिता जल में प्रतिबिंब लखै, शुद्ध कहीं जलपान करै। कहीं मुग्ध हो निर्झर झरझर में, घन कुंजन में तन ताप हरै।

ऋतुराज के पहुना फागुन

परब विशेषःटिकेश्वर सिन्हा गब्दीवाला

फागुन महीना हा ऋतुराज बसन्त के राज मा पहुना कस पहुचथय। राजसी पहुनई होथै फागुन के। सरद गरम मिश्रित पुरवई म सवार फागुन चंदन सही फुदकी ला निहारत मधुमास के महल म पहुंचथै। रंगरेला फागुन के सुंदरई ला देख अमराई बऊरा जाथय। कोयली के कंठ ले श्रृंगार गीत निकलथै। परसा अऊ सेमर के सजई संवरई घात सुहाथै फागुन ला। पन्द्रह दिन के सावरी सलौनी अंधियारी पाख फागुन ला बिलमाथै। तहान पारी आथे चिकनी गोरी अंजोरी पाख के, वोह भला कईसे बिसरा जाहि फागुन ला। पियरदेही घात रूपसी चंदा ह अंजोरी पाख फागुन के मेल मिलाप देख मुस्कावत रहिथे।

खड़े साज के कलाकार रिहिन मानदास

सुरताः कमल नारायण

अपन जमाना के जाने माने खड़े साज के नाचा कलाकार रिहिन मानदास टंडन जी हा। आप मन भिलाई इस्पात संयंत्र में अपन सेवा देवत लोक कला के खुशबू ला घलव बगरावत रेहेव। आप खड़े साज नाचा में चिकारा वादन करत रेहेव। आप दुर्ग जिला के नंदिनी अहिवारा तीर छोटे से गांव सेमरिया में किसान घर जनम लेव। नौकरी के बाद घलव शरीर के संग देवत ले नाच गाना मा कोनो कमी नी करेव। आप मन आकाशवाणी संग अपन राज अऊ आने राज मा अपन कार्यक्रम के प्रस्तुति देवत रेहेव। आप मन नवा कलाकार मन ला आगु लाय मे कोनो कमी नी करेव। आज आपके मार्गदर्शन मे कतको कलाकार मन अपन बेहतर प्रदर्शन करत हे।

गांव की कहानी

पूरन सिंह सिदार

धार्मिक मान्यताओं वाला बिलाईगढ़

इस ग्राम का नामकरण बिलाईगढ के रूप में किया गया है। पूर्व में भैना राजवंशों ने धमतरी की बिलाई माता को इष्टदेवी के रूप में मान्यता दी थी। तदनुरूप इस देवी के नाम पर यह राज वंश कई ग्रामों का नाम रखा।

सरायपाली से लगभग 8 किमी की दूरी पर दक्षिण दिशा की ओर एक प्राचीन बिलाईगढ़ नामक ग्राम है। इस ग्राम में प्राचीन भैना राजवंश का एक भग्नावशेष मैदानीगढ़ है। इस ग्राम का नामकरण बिलाईगढ के रूप में किया गया है। पूर्व में भैना राजवंशों ने धमतरी की बिलाई माता को इष्टदेवी के रूप में मान्यता दी थी। तदनुरूप इस देवी के नाम पर यह राज वंश कई ग्रामों का नाम रखा। इसी क्रम में यह जमींदारी आता है। आज भी इस गढ़ की प्रमुख देवी का नाम बिलाईगढ़ीन है। कोंद जमींदार के वंशज आज भी इस देवी की पूजा आराधना करते आ रहे हैं। साय वंशीय गोंड राजा जगसाय के राजत्व काल में बाहर से आए हुए अघरिया जाति ने इस ग्राम को खरीद लिया तथा वे यहां के मालगुजार बन गए।

शीर्ष नेतृत्व का आभार उन्होंने हम जैसे कार्यकर्ता को जौनपुर की सेवा का अवसर दिया : बीजेपी लोकसभा प्रत्याशी कृपाशंकर सिंह

प्रखर जौनपुर। बीजेपी की पहली सूची में लोकसभा जौनपुर संसदीय क्षेत्र से पूर्व गृह राज्य मंत्री महाराष्ट्र कृपाशंकर सिंह को जौनपुर लोकसभा का प्रत्याशी घोषित कर दिया गया। जिससे उनके समर्थकों में खुशी तो हुई लेकिन भाजपा के जिला

वाराणसी से जौनपुर के बीच दर्जनों जगह पर हुआ जोरदार स्वागत

स्तरीय नेता कार्यकर्ता मायूस नजर आए। टिकट की घोषणा के तीन दिन बाद मुंबई से कृपाशंकर सिंह वारणसी पहुंचे संकटमोचन मे दर्शन कर वाराणसी से सड़क मार्ग से चलकर जौनपुर पहुंचे। भाजपा कार्यकर्ता और उनके समर्थक रास्ते में जिले की सीमा पर उनका स्वागत किये। उसके उपरांत जब वहां से चल कर उनका काफिला चौकिया धाम पहुंची। जहा पर उन्होंने माँ शीतला का दर्शन किया उसके उपरान्त उन्होंने भंडारी स्टेशन से कोतवाली चहारसु चौराहा जेसीज चौराहा से होते हुए भूपतपट्टी स्थित केंद्रीय चुनाव कार्यालय पर पहुँचे। इस पूरे कार्यक्रम के दौरान भाजपा के तमाम महत्वपूर्ण चेहरे गायब थे। केन्द्रीय चुनाव कार्यालय पर कार्यकर्त्ताओ के साथ बैठक की गई जिसमें लोकसभा प्रत्याशी कृपाशंकर सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा कि मैं शीर्ष नेतृत्व को आभार व्यक्त करता हू कि उन्होंने हम जैसे कार्यकर्ता को जौनपुर का सेवा करने का अवसर प्रदान किया। मै सभी पार्टी कार्यकताओं, वरिष्ठ जनों का स्वागत और आभार व्यक्त करता हूँ। पार्टी के देव तुल्य कार्यकताओं के बल पर और देव तुल्य जनता के विश्वास पर एक बार फिर नरेन्द्र मोदी को देश का प्रधानमंत्री बनायेंगे।

उसके लिये घर घर से प्रत्येक कार्यकर्ता बूथ अध्यक्ष, पन्ना प्रमुख, पार्टी की रीतिनीति सरकार के किये गये विकास कार्यों के पत्रकों को देकर भाजपा को विजयी बनाने के लिये कार्य करेंगे, आगे उन्होंने कहा कि अबकी बार फिर तीसरी बार मोदी को प्रधानमंत्री और अपने इस सेवक को सांसद बनाये। उत्तर प्रदेश बीजेपी मीडिया पैनलिस्ट ओमप्रकाश सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ही एक ऐसी पार्टी है जो कार्यकर्ता का सम्मान करती है और सदैव आगे बढ़ाने का कार्य करती है और देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश लगातार हर क्षेत्र में विकास के नए नए आयाम को छू रहा है। लोकसभा चुनावों में हमें अपने अपने बूथों पर शत प्रतिशत मतदान के लिए प्रयास करना होगा। वही पिंडरा के विधायक अवधेश सिंह ने कहा कि कृपाशंकर सिंह मोदी जी के दूत बनकर आये है इसलिए आप लोग इनको जिताकर भेजे आज भारतीय जनता पार्टी की सरकार और देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की जनकल्याणकारी एवं जनहितैषी योजनाओं के कारण जनसामान्य के जीवन में अभूतपूर्ण परिवर्तन आया है चाहे वह आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से गरीबों का इलाज हो, प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से पक्के मकान हो, जन धन के माध्यम से सभी को बैंको से जोड़ना एवं विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लोन उपलब्ध कराना हो इनका साक्षात उदाहरण जमीनी स्तर पर देखा जा सकता है। जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने अन्त मे आये हुए कार्यकर्ताओ का स्वागत अभिनंदन करते हुए कहा कि भाजपा प्रत्याशी कृपाशंकर सिंह लोकसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज करे। उसके लिये हमे बूथ तंत्र पर विजय करना होगा।

कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री सुनील तिवारी ने किया। उक्त अवसर पर पूर्व विधायक हरेन्द्र सिंह जिला महामंत्री सुशील मिश्रा पीयूष गुप्ता सुधाकर उपाध्याय संतोष सिंह संदीप सरोज रवीन्द्र सिह राजू दादा उमाशंकर सिंह अवधेश यादव धनंजय सिंह रविश चन्द्र पाण्डेय नागेश्वर देव पाण्डेय प्रभात श्रीवास्तव अरविन्द विश्वकर्मा रामसूरत मौर्य शशि मौर्य सुनिल यादव विपिन द्विवेदी ओमप्रकाश सिंह आमोद सिंह रोहन सिंह अम्बरीश धर द्विवेदी विनय सिंह भूपेंद्र सिंह प्रबुद्ध दुबे पंकज सिंह जसविन्दर सिंह जीतेन्द्र सिंह हर्षु पाठक विनित शुक्ला अनिल गुप्ता नरेन्द्र उपाध्याय रागिनी सिंह अजय सरोज सुरेश धुरिया इंद्रसेन सिंह विकास ओझा घनश्याम यादव निखिल सोनकर अवधेश सोनकर साहित तमाम कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रीय फामेर्सी दिवस पर फामेर्सी के जनक प्रोफेसर महादेव लाल सर्राफ की मनाई गई जयंती

प्रखर पूर्वांचल गोरखपुर। 6 मार्च दिन बुधवार को ताहिरा इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज की प्रांगण में समस्त फार्मासिस्टों ने राष्ट्रीय फामेर्सी दिवस पर फामेर्सी के जनक प्रोफेसर महादेव लाल सर्राफ के 122वीं जयंती पर बड़े जयंती पर बड़े धूमधाम एवं हर्ष उल्लास से बनाया। इस दौरान प्रधानाचार्य शिक्षक गण एवं सभी शिक्षकरथ छात्रों ने फामेर्सी प्रतिज्ञा कर प्रोग्राम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात संस्था के प्रधानाचार्य श्री राहुल मिश्रा जी ने प्रोफेसर सर्राफ, जिन्हें इंडियन फादर ऑफ फामेर्सी से सम्मानित किया गया है उनकी उपलब्धियां और भारत में फामेर्सी के क्षेत्र में दिए गए उनके योगदान को बताया।

श्री राम जानकी मंदिर,माधोपुर में शिवलिंग प्राण प्रतिष्ठा की निकली भव्य कलश शोभा यात्रा

प्रखर पूर्वांचल गोरखपुर। ग्राम माधोपुर में श्री राम जानकी मंदिर में शिव लिंग प्राण प्रतिष्ठा का वैदिक मंत्रों के साथ विधि विधान पूर्वक पूजन कराने के बाद भव्य कलश शोभा यात्रा निकाली गई जो पहले अखुआपार के शिव मंदिर में दर्शन कराने के बाद बरईपार तेतरिया के शिव मंदिर का दर्शन कराते हुए देवस्थल शिव मंदिर व पाली शिव मंदिर व डोहरिया शिव मंदिर का दर्शन कराते हुए माधोपुर कलश यात्रा पहुंची। जिसके बाद शिव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम विद्वान ब्राह्मणो के द्वारा आरम्भ हुआ।

जिसमे समस्त ग्राम वासियों में उत्साह देखा गया। इसमें बच्चें ,महिलाएं ,बड़े ,बुजुर्ग हर वर्ग के लोग साथ आए पूरे रास्ते में भगवान भोले नाथ के नारे लगते रहें हर-हर महादेव की धुन ही सुनाई देता रहा। कार्यक्रम के दौरान नागेन्द्र सिंह, दवेंद्र सिंह, जय प्रकाश सिंह, वीरेंद्र प्रताप सिंह, राजेश सिंह, अनिरुद्ध सिंह, संतोष सिंह, विकास सिंह, अनिल सिंह, शैलेन्द्र सिंह , प्रदीप सिंह ,बालचन्द्र सिंह, टुनटुन सिंह , सुनील सिंह, संजय सिंह, हरि प्रताप सिंह , जंगबहादुर सिंह , अजीत सिंह, शैलेंद्र गुप्ता एवं समस्त सिंह परिवार व समस्त ग्राम वासी उपस्थित रहें।

कांग्रेसियों ने किया मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए आश्वासन के खिलाफ दिया धरना प्रदर्शन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिला और शहर कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वाधान में कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकताओं द्वारा बुधवार को उत्तर प्रदेश के ओला वृष्टि पीड़ित किसानों के पक्ष में जिलाध्यक्ष सुनील राम के नेतृत्व में जोरदार धरना प्रदर्शन कर महामहिम राज्यपाल यूपी को संबोधित एक पत्रक मजिस्ट्रेट के माध्यम से जिलाधिकारी, गाजीपुर को सौंपा गया है। इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुनील राम ने कहा कि कांग्रेस द्वारा ये मांग की गई है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी जी द्वारा ओलावृष्टि की मार झेल रहे किसानों को 24 घंटे में मुआवजा देने की घोषणा के बावजूद अभी तक कोई सरकारी मदद पीड़ित किसानों को नहीं मिली है, जिसके लिए आज कांग्रेस पार्टी जिला मुख्यालय पर किसानों के हित में धरना प्रदर्शन कर रही है। हमारी ये मांग है कि अविलंब पीड़ित किसानों को मुआवजा दिया जाए। वहीं शहर अध्यक्ष संदीप विश्वकर्मा ने बताया कि सरकार द्वारा की जाने वाली घोषणाएं महज जुमला बन कर रह जा रही हैं, जल्द ही पीड़ित किसानों को मुआवजा मिले अन्यथा कांग्रेस पार्टी इसके लिए बड़ा आंदोलन करने पर विवश होगी। एआईसीसी सदस्य रविकांत राय ने बताया कि ओलावृष्टि से पीड़ित किसान सीएम योगी जी की घोषणाओं का इंतजार कर रहे हैं लेकिन अभी तक मदद मिल नहीं सकी। इस अवसर पर प्रमुख रूप से पीसीसी सदस्य जनक कुशवाहा, अजय कुमार श्रीवास्तव, महबूब निशा सुमन चौबे एवं राम नगीना पांडे, हामिद अली, राजेश गुप्ता, दिव्यांशु पांडे, धर्मेंद्र, मोहम्मद राशिद, मिलिंद सिंह, माधव कृष्ण, रईस अहमद, अखिलेश यादव , राहुल कुशवाहा, विनोद सिंह, जमुना शर्मा, आशुतोष सिन्हा ,देवेंद्र कुमार सिंह, विजय, लखन श्रीवास्तव ,शमीम, सतीश चंद्र श्रीवास्तव, ओम प्रकाश, शंभू सिंह कुशवाहा, सुधांशु तिवारी, अनुराग पांडे, जितेंद्र कुमार सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना राष्ट्र निर्माण की प्रथम पाठशाला है : खंड विकास अधिकारी

जौनपुर। बयालसी पीजी कॉलेज जलालपुर जौनपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष शिविर के द्वितीय दिवस में प्रातः काल राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों के द्वारा शिविर स्थल की साफ-सफाई किया गया। इसके पश्चात कार्यक्रम का शुभारंभ प्रार्थना के साथ प्रारंभ हुआ ।सभी स्वयंसेवक स्वयंसेविका प्रथम सत्र में योग व्यायाम के अंतर्गत प्राणायाम ,सूर्य नमस्कार आदि अनेक प्रकार के योग व्यायाम किया इसके पश्चात सभी स्वयंसेवकों के द्वारा प्राथमिक विद्यालय बीबनमउ जलालपुर में श्रमदान किया जिसमें विद्यालय परिसर की साफ-सफाई किया गया। आज के कार्यक्रम का शुभारंभ जलालपुर ब्लॉक के खंड विकास अधिकारी एवं संयुक्त खंड विकास अधिकारी प्रधानाध्यापक श्री रविंद्र कुमार जी ग्राम प्रधान श्री ज्ञान दास मौर्य जी के द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर किया गया खंड विकास अधिकारी महोदय ने अपने संबोधन में कहा कि छात्र राष्ट्र के भविष्य होते हैं और राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा

छात्रों में देश सेवा एवं समाज सेवा का भाव जागृत होता है राष्ट्रीय सेवा योजना राष्ट्र निर्माण की प्रथम पाठशाला है। तत्पश्चात सभी लोग मध्यसत्र में भोजन किया ।कार्यक्रम के द्वितीय सत्र भोजन उपरांत बौद्धिक सत्र का आयोजन किया गया ।आज के बौद्धिक सत्र का शुभारंभ महाविद्यालय के डॉ प्रवीण कुमार श्री जितेंद्र कुमार प्रजापति डॉ आकाश कुमार पटेल के द्वारा स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा एवं मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण प्रज्वलन कर किया गया कार्यक्रम में सरस्वती वंदना स्वयंसेविका पायल विश्वकर्मा अंजली यादव वंदना स्वागत गीत पायल प्रेयसी अंजलि एवं दीपशिखा देश भक्ति गीत प्रस्तुत किया गया डॉ प्रवीण कुमार अपने उद्बोधन में राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य एवं उसके महत्व पर प्रकाश डाला मुख्य अतिथि के रूप में प्रधानाध्यापक श्री रविंद्र कुमार ने शिविर के माध्यम से स्वयंसेवक स्वयंसेविका के जीवन में होने वाले व्यावहारिक परिवर्तन एवं उनके व्यक्तित्व विकास के महत्व पर प्रकाश प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी श्री सोमारू राम ने किया।

अस्सी के बाद जौनपुर सीट से मुसलमानों की हुई उपेक्षा- परवेज आलम

प्रखर शाहगंज जौनपुर। अल्पसंख्यकों की हिमायती बनने वाली समाजवादी पार्टी का जब कांग्रेस से अलायंस हो गया है तो ।मुसलमानों की हितैसी का दम्भ भरने वाली समाजवादी पार्टी जौनपुर सीट से मुसलमान को टिकट दे।अस्सी के दशक के सभी राजनैतिक पार्टियों ने अल्पसंख्यकों की उपेक्षा की है। उक्त बातें बुधवार को इमरानगंज स्थित अपने आवास पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व बीते विधानसभा के कांग्रेस प्रत्याशी रहे परवेज आलम भुट्टो ने एक प्रेस वार्ता के दौरान कहीं। एक सवाल के जवाब में श्री भुट्टो ने कहा की अक्सर लोग कहते हैं कोई चेहरा नही है चुनाव लड़ने के लिये तो ऐसा नही जौनपुर में ऐसे बहुत से काबिल लोग हैं जो विधानसभा चुनाव जीते हैं।चेहरा बनाया जाता है पार्टी का काम है चेहरा तलाश करना।उन्होंने आगे कहा की अब अल्पसंख्यक समाज

को कोई छल नही पायेगा।हमारे संवैधानिक अधिकार है चुनाव लड़ने का अगर ऐसे ही उपेक्षा होती रही तो हम निर्दल के रूप में भी चुनाव लड़ सकते हैं और तो और चुनाव आयोग ने सुविधा दी नोटा का हम नोटा का भी प्रयोग कर सकते हैं। चुनाव लड़ने के सवाल पर परवेज आलम भुट्टो ने कहा की जब बड़े लोग गाली खाकर एक हो सकते हैं तो हम क्यों नही।हमारे पास खुला विकल्प है अगर अल्पसंख्यक समाज से पार्टी ने टिकट नही दिया तो तब या तो नोटा और निर्दल प्रत्याशी का भी रास्ता खुला है जिसपर विचार किया जाएगा। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा की भाजपा से मुसलमान डरना बंद करें राजनैतिक पार्टियों ने भाजपा का डर दिखाकर सिर्फ मुसलमानों का वोट लिया है।दूसरे समाज के लोग अपनी हिस्सेदारी के लिए एक होकर चुनाव लड़ सकते हैं तो मुसलमान क्यों ।मुसलमान क्या भाजपा को रोकने का ठेकेदार है।और पार्टियां एवं जातियां हैं।

मकान में घुसे चोरों ने पार किया 7 लाख के आभूषण

पिंडरा। फूलपुर थाना क्षेत्र के असवालपुर गांव के दक्षिणी छोर पर घर बनवा कर रह रहे अवधनारायण पटेल के घर मे छत के सहारे घुसे चोरों ने एक लाख नगदी समेत 7 लाख रुपए के सोने चांदी के आभूषण चुरा ले गए। घटना की सूचना पर डॉग स्क्वायड व फोरेंसिक टीम भी पहुची। बताते हैं कि असवालपुर के पूर्व ग्राम प्रधान रहे स्व वंशनारायण पटेल के पुत्र अवधनारायण पटेल अपने भाइयों के परिवार के साथ गांव से बाहर दक्षिणी छोर पर मकान बनवा कर रहते है। बीती रात घर के पीछे बने शौचालय के सहारे छत फिर सीढ़ी से आंगन में लगे शटर के ताला तोड़कर चोर दो कमरे का ताला तोड़कर अलमारी में रखे एक कमरे में रखे 90 हजार नगद व सोने की 3 चेन, 5 अंगूठी, 3 मंगलसूत्र, 2 कंगन, नाक व कान की बाली तथा दूसरे कमरे से 6 हजार नगद व नाक व कान के सोने आभूषण चुरा ले गए। पीड़ित परिवार को घटना की जानकारी सुबह साढ़े 7 बजे हुई। उसके बाद सूचना पर फूलपुर इंस्पेक्टर संजय मिश्रा , डॉग स्क्वायड, फोरेंसिक टीम मौके पर पहुँची और जांच पड़ताल की। लेकिन कोई ठोस सबूत हाथ नही लगा। पीड़ित के मुताबिक लगभग 7 लाख रुपए के सोने चांदी के आभूषण चुरा ले गए। डॉग स्क्वायड की टीम भी घर से मुख्य सड़क तक गई उसके बाद रुक गई। बताते है कि चोरी किये कमरे के अगल बगल दो कमरों में लोग सो रहे थे और अन्य सदस्य बाहर सो रहे थे। इंस्पेक्टर संजय

मिश्रा ने बताया कि पुलिस जांच में टीम बनाकर जुटी है। जल्द ही चोरी की खुलासा होगा।

श्री श्याम जी मूर्ति स्थापना गाजे-बाजे पर थिरके भक्त

प्रखर महराजगंज। नगर पंचायत बृजमनगंज मे आज मंगलवार को सायं 4 बजे श्री खाटू श्याम नरेश प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को निकाली गई भव्य निशान शोभायात्रा।बृजमनगंज कस्बे में प्राईमरी स्कूल के पास श्री श्याम जी का नवनिर्मित मंदिर की स्थापना के साथ मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के तहत मंत्रोच्चारण एवं पूजा अर्चना के साथ श्री खाटू श्याम नरेश की सुंदर झांकी सजाई गई।दूसरे रथ पर प्राण प्रतिष्ठा के लिए जयपुर से लायी गयी भगवान श्री राधा रानी जी संगमरमर से निर्मित रत्नजड़ित मुकुट से सुशोभित मूर्ति विराजमान थी।नगर अध्यक्ष सहित सैकड़ों की संख्या में कस्बे के महिलाओं एवं पुरुष निशान यात्रा का पताका लेकर जयकारा लगाते हुए चल रहे थे।बाबा के जयकारों से पूरा नगर भक्ति मय हो गया।लोग एक दूसरे को गुलाल लगाया।इस दौरान गाजेबाजे के बीच लोग झूमते नजर आए।नगर भ्रमण के लिए निकली शोभायात्रा रामलीला पडाव शिव मंदिर पर मूर्ति को शिव से मिलान कराकर ठाकुरद्वारा

पहुची वहां ठाकुर जी के दर्शन कर रेलवे स्टेशन होते हुए काली मंदिर तक पहुंचा वहां से कस्बे के मुख्य मार्ग होते हुए श्याम मंदिर पहुंच कर पुजारियों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ मूर्ति स्थापित किया गया। इस दौरान नगर अध्यक्ष राकेश जायसवाल, आयोजक समाजसेवी नटवर जी, बैधनाथ अग्रवाल, उमंग मोदी, अनूप मोदी, कुंदन अग्रवाल,कृष्ण कुमार गोयल,उमंग मोदी, आदित्य अग्रवाल, अभिषेक जायसवाल, छवि गोयल, धीरज गोयल, नीलिमा गोयल, सोना अग्रवाल,पप्पू मारवाड़ी, मुस्कान गोयल,सविता मोदनवाल,विष्णु जायसवाल,धीरज जायसवाल, रामकुमार कसौधन, संजय वर्मा,संजय जायसवाल राजू जायसवाल, झीनक विश्वकर्मा, झीनक चौधरी,सतेंद्र चौधरी सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

पीएम मोदी की दुग्ध क्रांति से पूर्वांचल को मिला रोजगार

प्रखर वाराणसी। वर्ष 2014 से देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकास के नित नए आयाम स्थापित कर रहा है काशी में तो मोदी जी ने जो विकास की गंगा बहाई और विकास के जो कार्य किये उन्हें उंगलियों पर भी नहीं गिना जा सकता वाराणसी में विकास कितनी तेज गति से हो रहा है इसका प्रत्यक्ष उदाहरण आपके सामने है` आज से दो वर्ष पूर्व काशी के सांसद एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस अमूल प्लांट का शिलान्यास किया था जो इतने अल्प समय में आकार ले चुका है गत 23 फरवरी को पीएम मोदी ने इसका लोकार्पण कर काशीवासियों को बड़ी भेंट दी इस प्लांट के शुरू हो जाने से लाखों लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे इसके लिए काशी के सांसद एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को काशीवासियों की ओर से बहुत बहुत धन्यवाद। उक्त विचार करखियांव स्थित बनास काशी डेयरी संकुल का भ्रमण करने गए काशीवासियों को अपने संक्षिप्त उद्बोधन में प्रदेश सरकार के आयुष, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु ने व्यक्त किये ` आयुष मंत्री डॉ. दयालु ने कहा कि बनास काशी डेयरी संकुल से न सिर्फ पूर्वांचल में दुग्ध क्षेत्र में क्रांति

आएगी बल्कि पूर्वांचल के लोगों को रोजगार के अवसर भी उपलब्ध होंगे इस प्लांट के शुरू हो जाने से अब पशुपालकों को दूध बेचने के लिए इधर उधर भटकना नहीं पड़ेगा और उन्हें दूध की सही कीमत भी मिल जाएगी` डॉ. दयालु ने बताया कि इस प्लांट में आइसक्रीम, पनीर, घी, छाछ, लस्सी और पारंपरिक मिठाइयों का उत्पादन हो रहा है आयुष मंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु ने कहा कि बनास काशी डेयरी संकुल द्वारा किसानों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए इन्हें सही मूल्य के साथ अच्छे नस्ल के पशु भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए उन्हें पशुपालन के लिए प्रेरित किया जा रहा है दुग्ध उत्पादन का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। वाराणसी लोकसभा क्षेत्र की जनता के प्रतिदिन चल रहे बनास काशी डेयरी संकुल के भ्रमण कार्यक्रम के तहत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी मंडल के अंतर्गत आने वाले मदनपुरा, सोनारपुरा, भेलूपुर, लक्सा आदि क्षेत्रों में निवास करने वाले पशुपालकों, दुग्ध उत्पादकों, शिक्षक, छात्र-छात्राओं आदि ने पूरे प्लांट का भ्रमण किया` आधुनिक तकनीक से ऑटोमेटिक मशीन द्वारा हो रहे उत्पादन को देखा आधुनिक तरीके से बने अमूल प्लांट में काशी वासियों ने खूब सेल्फी ली। भाजपा काशी क्षेत्र के मीडिया प्रभारी नवरतन राठी ने बताया कि वाराणसी लोकसभा क्षेत्र के वासियों के अमूल प्लांट भ्रमण का कार्यक्रम अभी प्रतिदिन जारी रहेगा वाराणसी लोकसभा क्षेत्र में कुल संगठनात्मक 21 मंडल आते हैं इनमें आठ मंडलों के निवासियों का भ्रमण कार्यक्रम पूर्ण हो चुका है` काशी वासियों के भ्रमण कार्यक्रम के दौरान एमएलसी एवं वाराणसी लोकसभा के समन्यवक अश्वनी त्यागी, प्रदेश के सह मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र सिंह, जिला महामंत्री संजय सोनकर, महानगर महामंत्री अशोक पटेल, शोभनाथ यादव, गौरव राठी, संतोष सैनी, शत्रुघ्न पटेल एवं बनास काशी डेयरी संकुल के डिप्टी मैनेजर दिनेश चौधरी सहयोग के रूप में उपस्थित थे।

95 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल एवं सृजन सामाजिक विकास न्यास के संयुक्त तत्वाधान में चला स्वच्छता अभियान

प्रखर वाराणसी। महा शिवरात्रि के पावन महीने पर सृजन सामाजिक विकास न्यास एवं 95बटालियन सी आर पी एफ द्वारा कमिश्नर वाराणसी के निर्देशन में एवं अनिल कुमार वृक्ष के मार्गदर्शन में गंगा हरितिमा अभियान के ब्रांड अंबेसेडर एवं सृजन सामाजिक विकास न्यास के अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह के अगुवाई में शूलटंकेश्वर महादेव मंदिर से लेकर गंगा घाट तक स्वच्छता अभियान चलाकर पुजारियों मालियों तथा दर्शनार्थियों को स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु जागरुकता अभियान भी चलाया गया संस्था के अध्यक्ष पर्यावरण विद अनिल कुमार सिंह ने सभी को स्वच्छता पर्यावरण संरक्षण एवं जलसंरक्षण तथा वोटर जागरुकता की शपथ दिलाकर एक रैली भी निकाली गई। 95 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के अभिषेक कुमार सिंह सहायक कमांडेंट तथा जवानों के साथ प्रवीण सिंह तथा सृजन सामाजिक विकास न्यास के कमलेश प्रधान एवं सुरेश पटेल जी पुजारी गिरी जी सुरेन्द्र पाठक अपने पूरी टीम के साथ स्वच्छता में भाग लिए।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं